घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 21- शुक्रवार 21- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2025-2025

नीतीश 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री

26 मंत्रियों ने भी शपथ ली, इनमें भाजपा के 14 जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री, एक मुस्लिम चेहरा

पटना,20 नवम्बर 2025। बिहार में 10वीं बार एक फिर से नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में हुए भव्य समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह,बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे। डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिनमें 14 बीजेपी कोटे से,8 जदयू से, लोजपा(आर) से 2 हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है। शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा,असम,गुजरात,मेघालय,यूपी,नगालैंड,ओडिशा, दिल्ली,एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए हैं। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

पीएम मोदी का अनोखा अंदाजदिखा,गमछा लहराया

शपथ ग्रहण समारोह समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अनोखा अंदाज देखने को मिला। सबसे पहले वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का हाथ थामकर मंच के आगे की ओर बढ़े। इसके बाद पीएम मोदी ने पांच बार झुककर जनता का अभिवादन किया। मंच पर मौजूद शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों के पास जाकर उन्होंने उनका उत्साहवर्धन किया और फिर जनता की ओर मुड़कर अपना गमछा लहराया। बदले में गांधी मैदान में मौजूद लोगों ने भी अपना अपना गमछा लहराकर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए ये नेता

शपथ ग्रहण समारोह में देशभर से कई बड़े नेता पटना पहुंचे और अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा,राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा,महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी मौजूद थे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और कई केंद्रीय नेताओं जैसे गिरिराज सिंह, शिवराज सिंह चौहान,चिराग पासवान,जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल,रविशंकर प्रसाद,उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो,सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा भी इस समारोह में शामिल हुए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू,उनके बेटे और आईटी मंत्री नारा लोकेश,चिराग पासवान की मां रीना पासवान भी पटना पहुंचीं और समारोह की गरिमा बढ़ाई।

लोजपा-रा से दो संजय बने मंत्री टालोमो से कुशवाहा के बेटे को मौका

नए मंत्रिमंडल में चिराग पासवान की पार्टी लोजपा-रामविलास के दो मंत्री बनाए गए हैं और दोनों का ही नाम संजय हैं। महुआ से तेज प्रताप यादव को हराने वाले संजय कुमार सिंह और बखरी से विधायक संजय कुमार को पहली बार मंत्री बनने का सौभाग्य मिला है। उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा से दीपक प्रकाश को मंत्री बनाया गया है। दीपक उपेन्द्र कुशवाहा के बेटे हैं और वर्तमान में किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं।

गांधी मैदान में पवन सिंह ने जमाया रंग

पटना के गांधी मैदान में पवन सिंह और मनोज तिवारी ने शानदार माहौल बना दिया। दोनों बीजेपी नेता मंच पर परफॉर्म कर रहे थे। पवन सिंह ने अपने गानों के जरिए बिहार विधानसभा चुनाव में मोदी-नीतीश की जोड़ी की बड़ी जीत का जश्न मनाया और खूब धमाल मचाया।

भाजपा के 13,जदयू के छह मंत्रियों को नहीं मिला मौका

नए मंत्रिमंडल में भाजपा के 13 और जदयू के छह मंत्रियों को फिर से मौका नहीं दिया गया। भाजपा की ओर से पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के साथ नीरज कुमार सिंह, नीतीश मिश्रा, महेश्वर हजारी, जनक राम,हरि सहनी, केदार गुप्ता,संजय सरावगी,जिवेश मिश्रा,राजू सिंह,मोतीलाल प्रसाद,कृष्ण कुमार मंटू के नाम शामिल हैं। गया से नौवीं बार जीते जीते प्रेम कुमार भी मंत्री नहीं बनाए गए हैं। हालांकि,उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है। वहीं जदयू की ओर से शीला कुमारी,कृष्णनंदन पासवान,जयंत राज, रत्नेश सदा, संतोष सिंह और विजय मंडल का पत्ता कटा है। सुमित कुमार सिंह चकाई से चुनाव हारने के कारण मंत्री की रेस से पहले ही बाहर हो गए थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अपने प्रकाशित कंटेंट की जिम्मेदारी लेनी चाहिए : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,20 नवम्बर 2025। सिंगापुर में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक स्थिर, जिम्मेदार और नवाचार आधारित डिजिटल एवं आर्थिक भविष्य के लिए भारत की दृष्टि स्पष्ट की। उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद का उल्लेख करते हुए कहा कि उच्च विकास दर और मध्यम मुद्रास्फीति के साथ देश आने वाले वर्षों में स्थिर नीतिगत वातावरण, प्रक्रियाओं का सरलीकरण और सतत विकास प्रदान करता रहेगा। उन्होंने वैश्विक निवेशकों को अगले वर्ष नई दिल्ली में होने वाले न्यू इकोनॉमी फोरम में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। डिजिटल दुनिया की चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि डीपफेक, सिंथेटिक सामग्री और तेजी से फैलने वाली अफवाहें नागरिकों और संस्थाओं के बीच भरोसे को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को अपने प्रकाशित और प्रसारित कंटेंट की जिम्मेदारी लेनी चाहिए ताकि किसी व्यक्ति, समुदाय या समाज को नुकसान न पहुंचे। वैष्णव ने भारत के टेक्नो-लीगल डिजिटल गवर्नेंस मॉडल की व्याख्या करते हुए बताया कि डेटा प्रोटेक्शन एक्ट सिद्धांत-आधारित है,जो तेजी से बदलती तकनीकों के अनुरूप विकसित हो सकता है और नवाचार को प्रोत्साहित करता है।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास तकनीकी खराबी से खेत में गिरा वायु सेना का यूएवी

जोधपुर,20 नवम्बर 2025। जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर गुरुवार को वायु सेना का रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) इंजन में खराबी आने के बाद रामगढ़ में नहरी इलाके के खेत में गिरा। सूचना के बाद पुलिस और वायु सेना,सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। वायु सेना ने एक बयान में कहा कि रूटीन ट्रेनिंग मिशन के दौरान रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट इंजन में खराबी आने के बाद जैसलमेर के पास सुरक्षित रूप से लैंड कराया गया। आरपीए को एक खाली मैदान में बरामद किया गया,जिससे जमीन पर कोई नुकसान नहीं हुआ और आरपीए को भी कम से कम नुकसान हुआ। दरअसल, रामगढ़ नहरी क्षेत्र के एक खेत में गुरुवार दोपहर करीब दो बजे स्थानीय किसान ने देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर भारतीय वायु सेना और सेना की टीम मौके पर पहुंची। वायु सेना की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। ड्रोन ने जमीन पर गिरने के बाद कई फीट तक स्लाइड करते हुए मिट्टी में खिंचाव बनाए।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में ताम्हिनी घाट पर जीप 400 फीट गहरी खाई में गिरी,6 की मौत

मुंबई,20 नवम्बर 2025। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पुणे मानगांव हाइवे पर ताम्हिनी घाट पर से एक जीप अनियंत्रित होकर 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस घटना में 6 लोगों की मौत हो गई हैं। मानगांव पुलिस स्टेशन की टीम स्थानीय नागरिकों की मदद से राहत और बचाव कार्य कर रही है। मानगांव पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर निवृत्ति बोराडे ने गुरुवार को बताया कि हादसे की सही वजह अभी साफ नहीं है। हालांकि, पहली नजर में यह माना जा रहा है कि ड्राइवर का गाड़ी से कंट्रोल खो गया होगा और कार खाई में गिर गई होगी। ड्रोन से इलाके की जांच की

जा रही है और चार लाशें मिली हैं। उन्हें ऊपर लाने का काम चल रहा है। रेस्क्यू टीम रस्सियों, क्रेन और दूसरे इक्विपमेंट की मदद से यह रेस्क्यू ऑपरेशन कर रही है। यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गाड़ी में और लोग थे या नहीं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को कोंकण घूमने गए कुछ पर्यटकों का बुधवार तक कोई संपर्क नहीं हो रहा था। इसलिए इन लोगों ने बुधवार को मानगांव पुलिस स्टेशन में जाकर इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने बुधवार को ही ताम्हिनी घाट पर छानबीन शुरु किया था, लेकिन रात में अंधेरा हो जाने के बाद छानबीन रोक दी गई थी। गुरुवार को सुबह से की जा रही छानबीन में पुलिस टीम को कुचली हुई जीप और चार लोगों की लाशें मिलीं। इन चारों का शव और टूटी-फूटी गाड़ी के बचे हुए हिस्से को खाई से निकालने का प्रयास जारी है। साथ ही ड्रोन की मदद से लापता लोगों की तलाश की जा रही है। अभी तक इस घटना में मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

लालकिला बम धमाका मामले में 4 अन्य आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 20 नवम्बर 2025। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लाल किला परिसर के बाहर 10 नवंबर को हुए बम धमाका मामले में 4 अन्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी के अनुसार, एनआईए ने चारों आरोपितों को जिला और सत्र न्यायाधीश, पटियाला हाउस कोर्ट द्वारा जारी वारंट पर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर से हिरासत में लिया। इनकी पहचान डॉ. मुजम्मिल शकील गणाई (पुलवामा), डॉ अदील अहमद राथर (अनंतनाग), डॉ शहीन सईद (लखनऊ, उत्तर प्रदेश) और मुफ्ती इरफान अहमद वागे (शोपियां) के रूप में हुई है। इन सभी पर बम धमाके की योजना बनाने से लेकर इसे अंजाम देने तक में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप है। उल्लेखनीय है कि 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किला परिसर के बाहर हुए बम धमाके में 13 से अधिक लोगों की मौत हो गई और कई लोग धमाके की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में इससे पहले एनआईए आमिर राशिद अली को गिरफ्तार कर चुकी है।

कानपुर में कोयला जलाकर सो रहे 4 दोस्तों की मौत

ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाई थी दम घुट गया

कानपुर,20 नवम्बर 2025। कानपुर में एक कमरे में सो रहे चार दोस्तों के शव गुरुवार सुबह मिले। बताया जा रहा है कि ठंड के कारण उन्होंने तसले में कोयला जलाया था। कमरे को अंदर से बंद कर सो गए थे। शुरुआती जांच के मुताबिक, चारों की मौत दम घुटने से हुई है। पनकी थाना के इंडस्ट्रियल एरिया में रहने वाले ये चारों दोस्त गुरुवार सुबह काफी देर तक नहीं उठे। पास में रहने वाले साथियों ने कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर पुलिस को सूचना दी गई। तब तक लोगों ने दरवाजा तोड़ा, अंदर चारों के शव पड़े मिले। सभी देवरिया के थाना तरकुलवा के तौकलपुर गांव के

रहने वाले थे। रिफाइनरी फैक्ट्री में वेल्डिंग का काम करते थे। फैक्ट्री परिसर में 10X8 के कमरे में रहते थे। इनकी पहचान अमित वर्मा (32), संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23) और दाऊद अंसारी (28) के रूप में हुई है। चारों ने रात में चिकन, रोटी और चावल बनाकर खाया था। गार्ड अजय ने बताया- रात में ये लोग चिकन, रोटी और चावल बनाकर खाए थे।

ट्रम्प बोले-350% टैरिफ की धमकी पर मोदी का फोन आया

दावा- पीएम मोदी ने कहा कि हम जंग खत्म कर चुके हैं...

वॉशिंगटन डीसी,20 नवम्बर 2025। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्होंने 350% टैरिफ लगाने की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाई थी। ट्रम्प ने अमेरिका-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम में बुधवार को कहा, 'मुझे सबसे पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का फोन आया था। उन्होंने शुक्रिया कहा और बताया कि मैंने लाखों जानें बचाई हैं।' इसके बाद ट्रम्प ने दावा किया कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का फोन आया। मोदी ने कहा, 'हम खत्म कर चुके हैं।' ट्रम्प ने पूछा, 'क्या खत्म कर चुके हो?' इस पर मोदी ने बताया, 'हम जंग नहीं करने जा रहे हैं।' पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस दौरान पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों निशाना बनाया गया। 10 मई को दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ। ट्रम्प ने 60 से ज्यादा बार जंग रुकवाने का दावा किया ट्रम्प ने ही सबसे पहले सोशल मीडिया पर सीजफायर की जानकारी दी थी। उन्होंने ये दावा किया था कि

उनकी वजह से ही संघर्ष थमा है। इसके बाद से वे 60 बार से ज्यादा बार ये दावा कर चुके हैं कि मई में भारत-पाकिस्तान के बीच जो तनाव कम हुआ, वह उनकी दखलअंदाजी की वजह से हुआ। जबकि भारत लगातार कह रहा है कि सीजफायर में कोई तीसरा देश शामिल नहीं था और संघर्ष विराम भारत और पाकिस्तान की सीधी बातचीत के बाद हुआ।

पहले ट्रम्प ने 250% टैरिफ लगाने वाला बयान दिया था : इससे पहले ट्रम्प ने 29 अक्टूबर को साउथ कोरिया में हो रही एपेक CEO समिट में भी भारत-पाकिस्तान तनाव का जिक्र किया था। ट्रम्प ने कहा कि जब दोनों देश लड़ रहे थे तो मैंने दोनों से जंग रोकने को कहा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। ट्रम्प ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों देशों पर 250% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके दो दिन बाद दोनों ने फोन किया और सीजफायर पर सहमति जता दी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भी तारीफ की। मुनीर को उन्होंने जबरदस्त फाइटर बताया।

ट्रम्प का ऐलान- भारत पर टैरिफ कम करेंगे : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 10 नवंबर को कहा था कि भारत और अमेरिका एक नए व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत पर लगे टैरिफ को धीरे-धीरे कम करेगा। ट्रम्प ने कहा, 'वे मुझसे अभी प्यार नहीं करते, लेकिन वे मुझसे फिर प्यार करेंगे। हमें एक अच्छा सौदा मिल रहा है।'

संपादकीय

राहत नहीं,सख्ती चाहिए...

- सुप्रीम कोर्ट ने पलटा अपना फैसला,
- लेकिन पर्यावरण को फायदा नहीं,
- क्या है मामला?

विभिन्न परियोजनाओं को पर्यावरणीय मंजूरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले को पलट कर भले केंद्र और राज्य सरकारों को राहत दे दी हो,लेकिन इससे पर्यावरण को राहत नहीं मिलने वाली। क्लाइमेट चेंज के खतरों को देखते हुए अब कठोर निर्णयों की जरूरत है। शीर्ष अदालत के पास भविष्य के लिए नजीर पेश करने का मौका था। पुराना आदेश सुप्रीम कोर्ट का पहला आदेश 16 मई को आया था। इसके मुताबिक,लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के उन प्रॉजेक्ट्स को ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था, जिन्हें बनाने से पहले नियमों के मुताबिक पर्यावरणीय मंजूरी नहीं ली गई थी। इन्हें बाद में जुर्माना वसूलने के बाद क्लियरेंस मिली। अब नए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर मई का आदेश वापस नहीं लिया जाता तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। तीन जजों की बेंच में शामिल चीफ जस्टिस बीआर गवई का सवाल बिल्कुल वाजिब है कि क्या ऐसी सभी परियोजनाओं को ध्वस्त कर देना और सरकारी खजाने से खर्च किए गए धन को कूड़ेदान में जाने देना जनहित में होगा? लेकिन,यह सवाल भी उठता है कि सार्वजनिक हित के नाम पर सार्वजनिक हित को नुकसान पहुंचाने वाले कामों में कब तक ढील दी जाएगी। इन परियोजनाओं को गिराने से एक बार नुकसान होता। लेकिन इनकी वजह से पर्यावरण को जो क्षति पहुंची, उसका असर शायद कभी कम न किया जा सके। विकास परियोजनाओं के नाम पर प्रकृति से होने वाली छेड़छाड़ का दुष्परिणाम आर्थिक नुकसान से ज्यादा गंभीर है। देश के हिमालयी राज्य इसका उदाहरण है, जहां इस साल आपदाओं की बारिश हुई या फिर राजधानी दिल्ली और दूसरे महानगर जिनमें सांस लेना लगातार दूभर होता जा रहा है। इसके बाद भी सरकारें और जिम्मेदार संस्थाएं सबक नहीं ले रहीं। ग्रेट निकोबार आईलैंड प्रॉजेक्ट जैसी योजनाएं पर्यावरणविदों को गंभीर चिंता में डालने वाली है। आदर्श रूप से 33 प्रतिशत भूभाग पर वन या हरियाली होनी चाहिए, लेकिन है लगभग 25त्न। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के मुताबिक, 2001 से लेकर अभी तक भारत में 20 लाख हेक्टेयर से ज्यादा हरा-भरा क्षेत्र खत्म हो चुका है, हालांकि इस दौरान पौधारोपण भी खूब हुआ। सुप्रीम कोर्ट के फैसले वाले दिन ही क्लाइमेट चेंज परफॉर्मेंस इंडेक्स भी जारी हुआ और इसमें भारत 13 स्थान फिसलकर 23वें पर पहुंच गया है। इसका सीधा मतलब है कि देश की पर्यावरणीय नीति असर नहीं दिखा रही। ऐसे वक्त में राहत कानून तोड़ने वालों को नहीं, पर्यावरण को चाहिए।

मोदी की नई शैली:गमछा लहराकर जनता से जुड़ना

"भारतीय राजनीति में प्रतीकों का महत्व हमेशा से रहा है। चाहे महात्मा गांधी का लाठी लेकर चलना हो,जयप्रकाश नारायण का खादी कुर्ता हो या लालू प्रसाद यादव का साधारण चेकदार गमछा,इन तमाम प्रतीकों ने नेताओं को आम जनता के करीब लाने में अहम भूमिका निभाई। इसी परंपरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हाल का गमछा लहराना भी एक नया लेकिन गहराई लिए संदेश बनकर उभरा है" ...

संजय सक्सेना
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

बीते कुछ वर्षों में मोदी जब भी किसी जनसभा या रैली में आते हैं,तो मंच से हाथ उठाकर सिर्फ अभिवादन ही नहीं,बल्कि गमछा लहराकर भी जनता से जुड़ाव जताते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार गमछा सार्वजनिक तौर पर वर्ष 2015 में बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लहराया था। उस समय उन्होंने बिहार के मुजफ्फरपुर में चुनावी सभा में हेलीकॉप्टर से उतरते ही स्थानीय मधुबनी प्रिंट वाले गमछे को हवा में लहराया था और यह अंदाज सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हुआ था। इसके बाद से यह उनकी एक लोकप्रिय पहचान बन गई है, खासकर उत्तर भारत के किसानों और श्रमिकों के प्रतीक के तौर पर। मोदी ने मुजफ्फरपुर रैली के दौरान पहली बार गमछा लहराकर यह प्रतीकात्मक संदेश दिया था कि वे जमीन से जुड़े नेता हैं, लेकिन चर्चा में तब आये जब 14 नवंबर 2025 को बिहार विधानसभा चुनावों की बंपर जीत पर पीएम मोदी ने दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में भारी भी के बीच कार से बाहर निकलते ही जोरदार तरीके से गमछा लहराकर सभी का अभिवादन किया। इसी तरह से 20 नवंबर को पटना में नीतीश सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भी गमछा लहराकर जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए नजर आये। वहीं इससे पूर्व अगस्त 2025 में बिहार के बेगूसराय जिले में आंता-सिमरिया पुल उद्घाटन के मौके पर पीएम मोदी ने मंच से गमछा लहराया था। यह दृश्य भी के बीच उत्साह का केंद्र रहा, बगल में बैठे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी तालियां बजाकर प्रतिक्रिया दी। इसी तरह से 31 अक्टूबर 2025 को मुजफ्फरपुर चुनावी सभा के दौरान फिर मोदी ने गमछा लहराया,जिसका वीडियो वायरल हुआ। अब यह दृश्य मोदी की पहचान का हिस्सा बन चुका है,लेकिन इसके पीछे राजनीति और प्रतीक दोनों का महीन मेल नजर आता है। मोदी की यह शैली केवल मंचीय मुद्रा नहीं है। इसमें एक गहरा सांस्कृतिक भाव और राजनीतिक रणनीति छिपी है। भारतीय समाज में गमछा सिर्फ कपड़े का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि श्रम और स्वाभिमान का प्रतीक है। यह किसान, मजदूर और आम आदमी की पहचान है, जो घर हो या खेत, बाजार हो या से क हर जगह उसके साथ रहता है। जब प्रधानमंत्री उसी गमछे को लहराकर जनता की ओर हाथ उठाते हैं, तो वह एक संदेश देते हैं कि वे सत्ता के शिखर पर होते हुए भी जनता के बीच से आए व्यक्ति हैं। यह भाव जनता के नेता की छवि को और मजबूत करता है।गमछे की राजनीति का एक सांस्कृतिक पक्ष भी है। भारत के कई राज्यों में गमछा स्थानीय पहचान से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश और

बिहार में यह सम्मान और आत्मीयता का प्रतीक है। असम में 'गमसा' या 'गमोसा' सांस्कृतिक अस्मिता का हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी जब इन प्रदेशों में रैलियों में लोक गमछा लहराते हैं,तो वे सिर्फ अभिवादन नहीं, बल्कि उस क्षेत्र की संस्कृति को सम्मान देते हैं। यह कदम लोगों को भावनात्मक रूप से जो ने का माध्यम बन जाता है। मोदी के इस व्यवहार से यह भी स्पष्ट होता है कि वे भाषण से ज्यादा हाव-भाव के जरिए संवाद पर विश्वास करते हैं,जो भारतीय जनता को अधिक प्रभावित करता है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए,तो मोदी का यह गमछा संवाद उनकी जन संवाद शैली का एक विस्तार है, जो उन्हें भी से जो ता है। 2014 से पहले जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री रहे, तब भी उनका अंदाज ग्रामीण भारत से जु ी चीजों को मंच पर लाने वाला था। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह शैली और परिष्कृत हो गई। अब उनका गमछा न केवल फैशन का हिस्सा है, बल्कि यह उनकी वैचारिक यात्रा का प्रतीक भी है एक ऐसा नेता जो वैश्विक मंच पर सूट और ब्ले र में नजर आता है, लेकिन अपने देश के लोगों के बीच आते ही उसी लोक वस्त्र को धारण करता है। यही द्वैत उनकी लोकप्रियता का मूल है वैश्विक छवि के साथ स्थानीय जुड़ाव।

इस शैली की तुलना अगर पुराने नेताओं से की जाए तो कुछ समानताएं जरूर दिखती हैं,परंतु यह सीधा अनुसरण नहीं है। उदाहरण के लिए, लालू प्रसाद यादव या मुलायम सिंह यादव भी गमछे को अपनी पहचान का हिस्सा बनाते थे, लेकिन उनके लिए यह एक वर्गीय और ग्रामीण पहचान का प्रतीक था। दूसरी ओर,नरेंद्र मोदी गमछे को वर्गीय पहचान से ऊपर, राष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनके लिए गमछा जनता के साथ निकटता का माध्यम है, न कि केवल ग्रामीण प्रतिनिधित्व का। यही फर्क उनके अंदाज को दूसरों से अलग करता है। गमछा लहराना मोदी के नए तरह के जनसंवाद का हिस्सा भी है। यह ऐसा संवाद है जिसमें शरीर की भाषा, चेहरे के भाव और सरल प्रतीक अधिक बोलते हैं। जब हजारों की भी प्रधानमंत्री को गमछा लहराते देखती है, तो उसे एक अपनापन महसूस होता है। मंच और जनता के बीच सीमाएं मिटती हैं। यह दृश्य एक तरफ नेतृत्व का उत्सव लगता है,तो दूसरी तरफ लोकतंत्र की जीवंतता को दर्शाता है। यही वह दृश्य है जो सोशल मीडिया पर वायरल होता है,वीडियो क्लिप्स में भावनात्मक जुड़ाव पैदा करता है,और चुनावी संदेश को शब्दों से पहले ही पहुंचा देता है। इसके अतिरिक्त, मोदी का गमछा एक व्यक्तिगत ब्रांड का भी हिस्सा बन गया है। उनके कुर्ते, जैकेट और स्टोल की तरह ही गमछा अब उनका स्थायी सहयोगी बन चुका है। यह भारतीय परिधान संस्कृति को आधुनिक राजनीतिक छवि से जो ने का प्रयास भी कहा जा सकता है। पश्चिमी परिधान के विपरीत गमछा सहज और सस्ता है, जिसे हर व्यक्ति अपने घर में पाता है। इस प्रतीक के माध्यम से मोदी इस भाव को मजबूती देते हैं कि 'मैं तुम्हारे जैसा हूं'। यह लोकतांत्रिक राजनीति में गहरा असर छो ती है। इसके पीछे मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी छिपा है। भाषा से परे दृश्यों की शक्ति शब्दों से ज्यादा होती है। चुनावी जनसमूह में जहां सब कुछ शोर और तात्कालिकता से भरा होता है, वहां एक साधारण गमछा लहराना एक स्थायी छवि बना देता है। यही दृश्य दोबारा चुनाव के वक्त स्मृति में लौट आता है, और मतदाता को भावनात्मक स्तर पर जो देता है। राजनीति में यह जुड़ाव रणनीतिक महत्व रखता है, खासकर तब जब नेता को अपने स्थानीयपन और जनसामान्यता को निरंतर सिद्ध करना हो। नरेंद्र मोदी के इस प्रतीकात्मक कदम को केवल मंचीय प्रदर्शन मानना गलत होगा। यह दरअसल भारतीय राजनीति और संस्कृति का ऐसा संगम है,जिसमें परंपरा,भावना और संचार का अनोखा मिश्रण है। जिस दौर में राजनीति मीडिया-प्रचार पर निर्भर हो चुकी है,वहां मोदी का गमछा लोक-संस्कृति और संचार का जीवंत प्रतीक बन जाता है। तात्पर्य यह है कि गमछा लहराना मोदी के लिए सिर्फ जनता का अभिवादन नहीं,बल्कि एक सांस्कृतिक संवाद है, जिसमें आम आदमी, उसकी परंपरा, उसकी अस्मिता और उसकी भावनाएं एक साथ समा जाती हैं। यही सरल भाव हर जनसभा में उन्हें भी से नहीं, बल्कि उस भी के बीच का नेता बना देता है।

शेख हसीना की मृत्यु की सजा से दक्षिण एशियाई राजनीति में हलचल

सुभाष बुड़ावन वाला,
रतलाम.मध्यप्रदेश.

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को अंतरराष्ट्रीय क्राइम्स ट्रिब्यूनल द्वारा सुनाई गई मौत की सजा ने दक्षिण एशियाई राजनीति में असाधारण हलचल पैदा कर दी है। बात यह है कि जिस अदालत की स्थापना 2010 में उन्होंने युद्ध अपराधियों को सजा दिलाने के उद्देश्य से की थी, वही अदालत आज उन्हें अनुपस्थिति में मृत्युदंड देती है। फैसले के समय उनका भारत में होना, ट्रिब्यूनल की कार्यवाही का अंतरिम सरकार के प्रत्यक्ष प्रभाव में चलना, अवामी लीग पर प्रतिबंध और सेना की भूमिका–ये सभी संकेत इस निर्णय को न्यायिक प्रक्रिया से अधिक राजनीतिक प्रतिशोध के दायरे में ले जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर टर्क और उनकी टीम द्वारा तथ्यात्मक रूप से इस फैसले की निंदा ने भारत के लिए स्थिति और स्पष्ट कर दी है।

संयुक्त राष्ट्र का स्पष्ट रुख है कि वह हर परिस्थिति में मौत की सजा का विरोध करता है। यह अंतरराष्ट्रीय नैतिक मानक भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है–क्योंकि प्रत्यर्पण कानूनों में मानवाधिकारों का उल्लंघन,राजनीतिक प्रतिशोध,निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया की अनुपलब्धता और मृत्युदंड की आशंका ऐसे कारक हैं जो किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र को प्रत्यर्पण से रोके रखते हैं। शेख हसीना के मामले में चारों परिस्थितियाँ मौजूद हैं। स्वयं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने अपनी फैक्ट-फाइंडिंग रिपोर्ट में यह संकेत दिया था कि जुलाई-अगस्त 2024 में हुए आंदोलनों के दमन में हसीना की भूमिका की जांच जरूरी है, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा ट्रायल स्वतंत्र और पारदर्शी नहीं था।

भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि अवश्य है,परंतु यह बाध्यकारी नहीं बल्कि सशर्त है। किसी भी व्यक्ति को तब तक प्रत्यर्पित नहीं किया जा सकता जब तक यह सुनिश्चित न हो जाए कि उसे निष्पक्ष सुनवाई मिलेगी,उसके मानवाधिकार सुरक्षित रहेंगे और उसे राजनीतिक उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ेगा। वर्तमान परिस्थितियों में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार, सेना के प्रत्यक्ष प्रभाव, विपक्षी नेताओं पर प्रतिबंध और ट्रिब्यूनल की पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली जैसे पहलू यह साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि हसीना का प्रत्यर्पण अंतरराष्ट्रीय मानकों का खुला उल्लंघन होगा।

भारत के लिए यह निर्णय केवल कानूनी नहीं बल्कि रणनीतिक भी है। दक्षिण एशिया में स्थिरता, शरणार्थी संरक्षण के अंतरराष्ट्रीय सिद्धांत, और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन सभी इस बात की ओर संकेत करते हैं कि शेख हसीना को बांग्लादेश वापस भेजना न तो व्यावहारिक है और न ही नैतिक। संयुक्त राष्ट्र की कड़ी आपत्ति भारत के लिए एक ठोस ढाल का काम करती है–भारत आसानी से कह सकता है कि वह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों और संयुक्त राष्ट्र के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए हसीना को सौंपने का जोखिम नहीं उठा सकता।

इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया भारत को न केवल एक वैध कारण देती है, बल्कि एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय आधार भी प्रदान करती है कि वह शेख हसीना के प्रत्यर्पण से इंकार कर सके। इस पूरी स्थिति ने बांग्लादेश की राजनीति की दिशा बदल दी है और भारत-बांग्लादेश संबंधों को नई जटिलताओं के दौर में प्रवेश करा दिया है।

जेन-जी आंदोलन अन्य वैश्विक देशों में विस्तारित

मेक्सिको केन्या,बेडगास्कर,मोरक्को और बहुत बोत्सवाना में भी आंदोलन

संजीव ठाकुर ,
रायपुर छत्तीसगढ़,

जेन जी की विद्रोही चेतना नेपाल की शांत पर्वतीय वादियों से उठकर अब मेक्सिको तक पहुंच गई है नेपाल में जहां अब तक 10 अरब का नुकसान हो चुका है वहीं दूसरी तरफ युवाओं ने नेपाल में सत्ता परिवर्तन भी कर दिया है। युवाओं के विद्रोह की यह ज्वाला मेक्सिको सिटी समेत कई अन्य स्थानों पर पहुंच चुकी है। मेक्सिको देश में युवा प्रदर्शन कारियों ने पुलिस पर पत्थरों और लाठियां से हमला किया पुलिस के हथियार छीन लिए। मेक्सिको के सुरक्षा सचिव पाब्लो बाज्कवेज के अनुसार लगभग 120 लोग घायल हुए हैं जिसमें 100 पुलिस कर्मचारी हैं। मेक्सिको के युवाओं का कहना है कि वह भ्रष्टाचार एवं हिंसक अपराधों के लिए दंड से मुक्ति जैसी समस्याओं से निराशा है 1 नवंबर को मेक्सिको में वहां के महापौर कार्लोस मंजो की एक सार्वजनिक सभा में गोली मारकर हत्या कर दी गई इससे युवा वर्ग काफी आक्रोश में है मेक्सिको के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड सेलिनास ने युवाओं के समर्थन में संदेश प्रसारित किया है। उल्लेखनीय है कि नेपाल में 1990 के दशक के अंत हुआ 2010 के प्रारंभ के बीच जन्मे लोगों ने इस वर्ष देश में असमानता अलोकतांत्रिक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन किया नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद सितंबर में सबसे बड़ा जेन जी आंदोलन हुआ था जिसके कारण देश के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था। इसके अलावा (बेरोजगारी भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता से त्रस्त युवा पी ी ने अब तक पिछले 1 साल में केन्या, बेडगास्कर,मोरक्को और बहुत बोत्सवाना जैसे देश में प्रदर्शन कर चुकी है) फिलिपींस में भी युवाओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ भारी प्रदर्शन किया है। यह उग्र प्रदर्शन नेपाल से निकलकर मेक्सिको की उग्र वास्तविकताओं तक पहुँच गया है, और यह यात्रा केवल प्रेरणा-के लिए नहीं बल्कि आज की दुनिया के तथ्यों और संवेदनशील अनुभवों का दस्तावेज़ बन जाती है। जब उन्होंने नेपाल में संघर्षग्रस्त पहाड़ों और विस्थापितों की पीड़ा दिखि, तब उन्हें समझ आया था कि यह सम्राज्य-कालीन या एक-देशीय व्यवस्था का प्रश्न नहीं बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न है। इतने अनुभवों के बाद जब वे मेक्सिको पहुँचे,उन्होंने वहाँ न केवल पृष्ठभूमि समझी बल्कि तो ा घटनाओं में खुद उनकी आँखें गहरी उतर गईं – जैसे कि 2025 के उस भयानक मर्डर-वेव ने, जिसमें सिनालोआ राज्य में कार्टेल विद्रोह ने नए स्तर छू लिये। जून 2025 में 20 लोग मारे गए उनमें से चार शव एक पुल पर लटकाये गए, 16 शव एक वैन में मिले, उनमें से एक का सिर एक बैग में था। इस अत्याचार ने जेनरीय कानूनी एवं सुरक्षा नीतियों पर सवाल खड़े कर दिए कि क्या राज्य प्रणाली उन लुटी हुई जानों को बचा पाने में सक्षम है। जैन जी ने ऐसे दृश्य कल्पना नहीं किये थे लेकिन वहाँ जब उन्होंने स्थानीय लोगों की आँखों में भय देखा, जब उन्होंने उन परिवारों से मिले जिनके प्रियजन गायब हैं, तब उन्होंने महसूस किया कि उनके नेपाल-और-तुर्की अनुभव इस मेक्सिको की करूर हकीकत से कलात्मक रूप से नहीं बल्कि वास्तविक रूप से जुड़े हैं।

मेक्सिको में हाल-फ़िलहाल की घटनाओं में एक और उल्लेखनीय तथ्य है कि देशव्यापी प्रदर्शनों की लहर उठी है, नवंबर 2025 में मेक्सिको सिटी सहित कई शहरों में हजारों युवा और अन्य नागरिक सड़कों पर उतरे,उन्होंने बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और सत्ताधारी ढांचे की चुप्पी के खिलाफ आवाज़ उठाई। इस आंदोलन में मुख्य रूप से जनरेशन जी नामक समूह सामने आया,जिसने एक 12-बिंदु मांग-पटल जारी किया और कहा कि उनके लिए यह सुरक्षा का नहीं, न्याय का आंदोलन है। यह जैन जी जैसे विचारकों के लिए एक साझी स्पर्श बिंदु बन गया–उन्होंने महसूस किया कि विद्रोह की प्रेरणा से कहीं बे कर यह दायित्व बन जाता है कि हम मात्र पी ा देखें नहीं बल्कि उसे व्यक्त करें, साझा करें, उसका सामना करें।

मेक्सिको में एक अन्य भयावह तथ्य यह है कि कार्टेल्स ने अब सिर्फ ड्रग कारोबार नहीं चलाया बल्कि गायब कर देना, बलात्कार-हत्या, मास ग्रेव जैसे जुल्म-रूपों को अपनाया है। उदाहरण के लिए जेलिस्को राज्य में 2025 मार्च में उस रैंचो इज़ागुइरे नामक स्थल की खोज की गई, जिसे 'निलंबन-शिविर' के रूप में देखा गया,जहाँ हजारों जूतों, कपड़ों, मानव अवशेषों के अवशेष मिले,तथा सक्रिय भर्ती-संकुल के संकेत मिले। जैन जी ने जब उस स्थल की रिपोर्ट-लाइन पढ़ी तो उन्होंने इसे सिर्फ अपराध की कथा नहीं माना बल्कि लोकतंत्र और नागरिक संरक्षण की विफलता का प्रतीक माना। उन्होंने देखा कि कैसे सामान्य युवाओं को सुरक्षा गार्ड÷ की नौकरी का झांसा देकर वहां बुलाया जाता था, फिर उनका रास्ता कट जाता था। यह नेपाल में उनके देखे गये विस्थापन-संकट से कितना भिन्न और कितना समान था–भिन्न इसलिए कि वहां सरकारी युद्ध-स्थिति थी, समान इसलिए कि दोनों जगह नागरिक को उसके अधिकार से वंचित किया गया था।

वे यह भी जान पाए कि मेक्सिको सरकार ने इन चुनौतियों के बीच कुछ कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ा है–2025 की गर्मियों में मेक्सिको ने 26 ड्रग ट्रेडर्स को अमेरिकी जेलों में स्थानांतरित किया था,लगभग 1000 सैन्य एवं पुलिसकर्मियों को इस ऑपरेशन में तैनात किया गया था। यह एक संकेत है कि जैन जी का वैश्विक दृष्टिकोण विद्रोह अकेले नहीं बनेगा बात सही है वैश्विक शक्ति-संघ भी पीड़ा के सामने आ रही है। पर यह भी सच है कि सहयोग बढ़ने के बावजूद स्थिति में तत्काल सुधार नहीं दिखा–कार्टेल युद्ध,गायब व्यक्तियों की संख्या,और मानवाधिकार उल्लंघन जारी हैं।

कविता

उफ! यह अकेलापन

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक(हरियाणा)

आजकल लोगों में घोर निराशा है
लोग अकेलेपन का शिकार है!
अधिकांश परिवारों में लोग अपने
परिवार के लोगों से बात नहीं करते।
बाहर वालों से हर बात सांझा करते हैं।
एक परिवार के अंदर बहुत बार दोस्तों
कई परिवार बने हुए मिलते हैं।
ऐसे परिवारों की संख्या दिन प्रतिदिन
घटती जा रही है जो मिलकर खाना खाते हैं।
हर कोई खाना लेकर अपने कमरे में जाता है!
एक दूसरे की बात का कुछ पता नहीं होता
आजकल ऐसी संस्कृति तड़पने लगी है कि
मोहल्ले वाले भी अपने घरों के अंदर रहते हैं!
अब पहले वाली हमसाए वाली बात है ही नहीं।
माता-पिता अपने बच्चों को त्याग करके पढ़ाते हैं
अपने बच्चों की किसी तरह पढ़ाई पूरी करवाते हैं
आज बच्चे बैंगलोर, नोएडा या गुरुग्राम में काम करते हैं
कुछ-कुछ लोग तो कनाडा, इंग्लैंड अमेरिका जाते हैं।
जहां वे रहते हैं उस देश की नागरिकता प्राप्त कर लेते हैं
विदेश में एश्वर्या पूर्ण जिंदगी व्यतीत करने वाले यह
नौजवान भूल कर भी कभी मां-बाप को याद नहीं करते।
शुरू शुरू में टेलीफोन करते हैं बाद में बंद हो जाता है
अपने मां-बाप के मर जाने के बाद भी वह अपने मुल्क में
अंतिम संस्कार यि तेरहवीं भी करने के लिए आते ही नहीं
बहाना लगा देते हैं छुट्टी नहीं मिलती आ नहीं सकते
मरने से पहले बेचारे मां-बाप अकेलेपन के कारण
मर मर के जीते हैं अकेलेपन का जहर पीते हैं उफ।
बेटों के विदेश में जाकर बसने के बाद कुछ बेबस मां बाप
वृद्ध आश्रम में अंतिम सांस लेते हैं, अकेलापन निगल जाता है
अगर बुढ़ापा अकेले काटना है तो बेटा पैदा करने से क्या फायदा।

"किसी भी प्रकार का भय और अधूरी इच्छा ही हमारी दुखों का कारण है।"
-स्वामी विवेकानन्द

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

जीवन

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

हर इंसान अपनी माँ की गर्भ में नौ माह रहने के बाद ही जन्म लेता है और इस धरती पर जब आता है तब उस मासूम से बच्चे से अनिगत रिश्ते जुड़ जाते है, उम्मीदें बँधती है,माँ-बाप का वो सहारा बन जाता है। घर-परिवार,माता-पिता,भाई-बहन और नाते-रिश्तेदार हमें हमारी इच्छा से नहीं मिलते बल्कि उपहार के रूप में मिलते हैं। पड़ोसियों का चयन भी हम नहीं कर सकते क्योंकि सभी संबंध हमें हमारे पूर्वजन्म कृत कर्मों के अनुसार ही मिलते हैं। हर एक इंसान अपने पूर्वजन्म कृतकर्मों का हिसाब करने इस धरती पर फिर जरूर आता है आखिर किसी ने किसको, कितना दुःख दिया या किसने मुझे कितना दुःख दिया,ये सुख-दुःख,लेन-देन का भुगतान हर इंसान अपने पुर्नजन्म में ही करता है। ऐसा उदाहरण अक्सर देखने को मिलता है -एक दिन में हजारों बच्चे जन्म लेते हैं लेकिन उन हजारों बच्चों का जीवन एक जैसा नहीं होता है। कुछ ऐसे बच्चे होते हैं जो इतने अमीर परिवार में जन्म लेते हैं जो उनको ताह उम्र कमाने की जरूरत नहीं होती है, तो कुछ बच्चें ऐसे घर में जन्म लेते हैं जहां पर वो होश संभालने से पहले अपने घर को संभालने लगते हैं। कुछ घरों में ऐसे बच्चे जन्म ले लेते हैं जो कि विकलांग होते हैं उनके अंदर प्रतिभा तो है लेकिन विकलांग होने के कारण उसे तरह से काम नहीं कर पाते जिस तरह से घर चलाने के लिए पैसे कमा सकें, तो कुछ बच्चे ऐसे जन्म लेते हैं जो जन्म से ही रोगी बन जाते हैं उस बच्चे के इलाज करने के लिए परिवार के सदस्य घर - दुकान बेच देते है,माँ अपनी गहने बेच देती हैं। अब सोचिए इस संसार में आए हर इंसान का जीवन एक जैसा क्यों नहीं होता है। इसलिए नहीं होता है क्योंकि हर इंसान को अपने पूर्व जन्म के कर्मों का हिसाब करना होता है। इसलिए अक्सर लोग कहते हैं कि अपने कर्म पर ध्यान दो, फल की चिंता मत करो। ईश्वर सब देख रहे हैं अब कर्मों के अनुसार ही पुर्नजन्म होगा और इस कर्म की सजा व पुण्य अगले जन्म में ही मिलेगा। हम जैसे जैसे बड़े होते हैं कर्म करते हैं, लोगों से सम्पर्क करते हैं। जीवन के हर सफर में, हर उम्र में अनगिनत लोगों से जान - पहचान होती है। उन अनजान लोगों में से कई इंसान जो अपना प्रिय बन जाता है जिससे बहुत ही गहरा संबंध जुड़ जाता है उसे हम मित्र-दोस्त कहते हैं और कभी कभी मित्रों के साथ - साथ ऐसे भी लोग मिलते हैं जिन्हें ना आप पसंद करते हो और ना वो पसंद करते लेकिन एक ढोने वाला मजबूरी का रिश्ता बन जाता है क्योंकि इस संसार में हर एक इंसान को जीने के लिए किसी न किसी व्यक्ति, वस्तु पर निर्भर होना अनिवार्य है। हम इंसान एक सामाजिक प्राणी है हमारे अदंर दया, मान-सम्मान,गुस्सा, आत्मसम्मान, आत्मसमर्पण जैसी भावनाएँ है। बचपन में उपहार स्वरूप जो रिश्ते मिलते हैं उन रिश्तों को हम दिल से निभाते है और जब होश संभालते है तब मित्र को हम स्वंय चुनते है,रिश्ते निभाते है और कभी - कभी वही मित्र अचानक इतना कष्ट देते है या इतना स्नेह देते है कि बताया नहीं जा सकता है। हाँ! जीवन के राह में मित्र भी किसी गुरु से कम नहीं होता है।

CMYK

शहर का दम घुट रहा है...और हम चुप हैं...

न्यायालय जिस जगह चठिरमा में प्रस्तावित था,वहीं बने स्थायी सभा-स्थल और विशाल आयोजन मैदान

- **अंबिकापुर की सड़कों पर 'दम घुट रहा है', मैदानों पर 'शहर का भविष्य' कुचला जा रहा है...**
- **न्यायालय जिस जगह चठिरमा में प्रस्तावित था, वहीं बने स्थायी सभा-स्थल और विशाल आयोजन मैदान...**

-न्यूज डेस्क-
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर में राजनीतिक कार्यक्रमों,सरकारी आयोजनों, सभाओं, रैलियों और बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए पक्की,सुरक्षित और समुचित जगह नहीं है, चठिरमा का वही विस्तृत स्थान,जहाँ न्यायालय परिसर बनाने की बात चली थी,शहर के केंद्रीय आयोजन-स्थल के रूप में सबसे उपयुक्त हो सकता है,यही नहीं,यहीं स्थायी हेलीपैड का निर्माण भी शहर को कई समस्याओं से मुक्त कर सकता है,क्योंकि हर बार हेलीपैड के लिए किसी मैदान को कब्जाना,घेरना, खराब करना आम बात बन चुकी है। अंबिकापुर शहर को विकास नहीं, बेतरतीब फैसलों की चोट मिल रही है, जनसंख्या बढ़ती जा रही है,वाहन सड़कें निगल रहे हैं,और प्रशासन अब भी बीस साल पुराने नक्शे पर शहर चलाने की जिद पर अड़ा है। कलाकेंद्र मैदान पहले ही बर्बाद हो गया है और अब गांधी स्टेडियम व पीजी कॉलेज मैदान भी प्रशासन की लापरवाहियों के अगला शिकार बनने वाले हैं।

शहर का दम घुट रहा है, और हम चुप हैं!- (दैनिक घटती-घटना विशेष टिप्पणी)

अंबिकापुर आज जिस मोड़ पर खड़ा है,वहाँ सबसे बड़ा सवाल यही है क्या यह शहर विकसित होगा,या सिर्फ बढ़ेगा? क्योंकि 'बढ़ना' और 'विकसित होना' दोनों अलग बातें हैं,आज अंबिकापुर सिर्फ बढ़ रहा है...विकास कहीं दिखाई नहीं दे रहा,सड़कों की क्षमता खत्म,वाहन अनियंत्रित—शहर ठहरने की दहलीज पर,अंबिकापुर की सड़कें अब चेतावनी दे चुकी हैं,शहर के अंदर-बाहर वाहनों की संख्या लगातार बढ़ रही है,लेकिन सड़कें वही पुरानी हैं संकीर्ण, थकी हुई, और ज्यादातर 'अस्थायी जुगाड़ों' पर आधारित,जिस शहर में रोज़ नई गाड़ियाँ उतर रही हों, वहाँ सड़कें पैबंद खाकर नहीं चलतीं, वहां प्लानिंग चाहिए।

चठिरमा का प्रस्तावित न्यायालय स्थल,शहर की सबसे जरूरी जरूरतों का समाधान

यह सच सब जानते हैं कि अंबिकापुर को एक बड़ा,समर्पित,स्थायी आयोजन स्थल चाहिए,शहर में एक भी ऐसा स्थान नहीं है जहाँ बड़े सरकारी,राजनीतिक,सांस्कृतिक कार्यक्रम हो सकें। इसी तरह स्थायी हेलीपैड शहर की बड़ी आवश्यकता बन चुका है, वीआईपी मूवमेंट का हर दौर शहर को बंधक बना देता है मैदान कब्जे में ले लिए जाते हैं, टेंट-पंडालों का साम्राज्य फैल जाता है,और खेल के मैदानों को नुकसान पहुंचता है, चठिरमा जैसा बड़ा,व्यवस्थित और उपयुक्त स्थान शहर के आयोजन स्थल के लिए बिल्कुल तैयार है बस प्रशासन की इच्छा-शक्ति चाहिए।

खेल मैदानों के साथ प्रशासन का बेरहम व्यवहार, 'विकास का मज़ाक'

शहर के बच्चों-युवाओं के लिए बने मैदान आज वीआईपी विज़िट,टेंट हाउस, कचरा डंपिंग और मेले का अड्डा बन चुके हैं,कलाकेंद्र मैदान की हालत खराब...गांधी स्टेडियम खतरे में...पीजी कॉलेज मैदान बार-बार बर्बादी के कगार पर...यह सिर्फ मैदानों की बर्बादी नहीं है यह अंबिकापुर की भविष्य पीढ़ी के सपनों की हत्या है।

शहर को अब तत्काल चाहिए,दृष्टि,निर्णय और साहस...

विकास हमेशा योजनाओं से आता है,और योजनाएं तभी बनती हैं जब प्रशासन शहर के भविष्य को देखना शुरू करे, अंबिकापुर को चाहिए, स्थायी आयोजन मैदान,स्थायी हेलीपैड,खेल मैदानों का संरक्षण,नए ट्रैफिक मार्ग और विस्तारित सड़कें,वीआईपी कार्यक्रमों का एक ही नियत स्थल

खेल के मैदानों पर कोड़ा-कड़ी,टैंट-पंडाल, शहर की शर्मनाक तस्वीर...

कौन-सा प्रशासनिक नियम कहता है कि खेल के मैदान 'बहुउद्देशीय कचरा ज़ोन' हैं? क्या अंबिकापुर में कोई भी स्थायी आयोजन स्थल नहीं हो सकता?

क्या हर वीआईपी कार्यक्रम किसी मैदान की लाश पर ही बनेगा?

अंबिकापुर को अब फैसले चाहिए,बहाने नहीं! विकास तभी होगा जब शहर की योजनाओं में दिमाग और दूर दृष्टि दोनों शामिल हों। वहीं शहर की सांस रोकने वाले आयोजन,बच्चों के खेलने की जगह छीनते हैलीपेड-पंडाल...आखिर किस कीमत पर वीआईपी संस्कृति...

अंबिकापुर की बढ़ती आबादी,सीमित सड़कें...

अब शहर को चाहिए योजना,न कि अव्यवस्था!-अंबिकापुर शहर तेजी से फैल रहा है जनसंख्या बढ़ी,वाहन कई गुना बढ़े पर सड़कें आज भी वही पुरानी,यातायात का दबाव बढ़ रहा है और शहर नियोजन की भारी कमी अब साफ दिखाई देने लगी है।

खेल मैदानों पर लगातार खतरा,खेल कहाँ होंगे?-

शहर के कीमती खेल मैदान कलाकेंद्र मैदान,गांधी स्टेडियम,पीजी कॉलेज मैदान इन सभी को खेल के लिए सुरक्षित रखने की जगह टेंट,पंडाल,कोड़ा-काड़ी डंप,पार्किंग और अस्थायी हेलीपैड के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है,कलाकेंद्र मैदान पहले ही खराब हो चुका है,अब गांधी स्टेडियम और पीजी कॉलेज मैदान भी बर्बाद होने की कगार पर है,यदि यही स्थिति रही,तो आने वाले समय में शहर के बच्चों-युवाओं के पास खेल का कोई सुरक्षित मैदान नहीं बचेगा।

अंबिकापुर को तत्काल जरूरत...योजनाबद्ध विकास की...

- समर्पित आयोजन मैदान
- स्थायी हेलीपैड
- खेल मैदानों को संरक्षण
- भीड़ नियंत्रित करने के स्मार्ट मार्ग
- नई सड़कें या वैकल्पिक रूट

अंत में... शहर अब और देर नहीं झेल सकता, हर गलत निर्णय, हर देरी, हर मैदान की बर्बादी,सीधे-सीधे अंबिकापुर के भविष्य को कमजोर कर रही है, और असली सवाल यही है क्या प्रशासन सुन रहा है... या फिर अंबिकापुर हमेशा इन्हीं गलतियों का शिकार रहेगा?

पुत्र की मौत से व्यथित ग्रामीण ने कीटनाशक सेवन कर दी जान

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सड़क हादसे में पुत्र की मौत के बाद से व्यथित रहने वाले ग्रामीण ने कीटनाशक का सेवन कर लिया,इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक चखु राम पिता स्व. करीजन राम 47 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम उदारी का रहने वाला था। उसके इकलौत पुत्र की सडक़ हादसे में मौत होने के बाद वह उदास रहता था। 18 नवम्बर को वह घर में अकेले था, इस बीच वह कीटनाशक का सेवन कर लिया। कीटनाशक का खाली पात्र फेंकते पत्नी की नजर पड़ गई, और वह अपने पति के पास जाकर पूछताछ की, लेकिन वह कुछ नहीं बताया। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर आए, यहां इलाज के दौरान 19-20 नवम्बर की दरम्यानी रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

सर्पदंश से मासूम बच्ची की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सर्पदंश से पीड़ित तीन वर्षीय बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक जशपुर जिला के बगीचा थाना अंतर्गत पंडरापाट, बटुर पखोर नाला के पास रहने वाला शिवनाथ सिंह अपनी 3 वर्षीय बच्ची मीरा सिंह और पत्नी के साथ गांव में ही धान काटने के लिए गया था। माता-पिता धान काटने गए तो बच्ची खेत के पास ही खेल रही थी। इसी दौरान उसे जहरीले सांप ने काट लिया। बच्ची के रोने, चिल्लाने की आवाज सुनकर स्वजन पहुंचे, तो वह सांप के काटने की जानकारी दी। पैर में सांप के काटने का निशान देखकर वे उसे शंकरगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर बच्ची को लेकर स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 20 नवम्बर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

पत्नि पर टांगी से हमला करने वाले पति की इलाज के दौरान मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शराब के नशे में पत्नी पर टांगी से हमला करके भागा पति संदेहास्पद स्थिति में अपने ही घर में घायल अवस्था में मिला, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के स्वजन गिरने से चोटिल होने की संभावना जता रहे हैं। मृतक की पत्नी का घायल अवस्था में निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम चूहाकोना निवासी करम साय पिता मंगरा राम 40 वर्ष, शराब पीने का आदी था। 13 नवम्बर को वह शराब के नशे में अपनी लिदुर

के साथ मारपीट कर रहा था। इस दौरान आवेश में आकर वह पत्नी के दाहिने पैर में टांगी से हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी और खून बह रहा था। पत्नी के पैर में आए जख्म को देखकर वह मौके से भाग गया। घायल लिदुर को स्वजन शंकरगढ़ स्वास्थ्य केन्द्र से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर निजी वाहन से होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां उसका उपचार चल रहा है। इधर जख्मी महिला के स्वजन का कहना है कि जब वे घर गए तो दरवाजा अंदर से बंद था।

दरवाजा खोलकर वे अंदर गए तो करम साय घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। करम साय को शंकरगढ़ अस्पताल से इलाज कराने के बाद रेफर करने पर 18 नवम्बर को वे उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 19 नवम्बर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत का वास्तविक कारण जानने के लिए पुलिस ने मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम चठिरमा की उषा सिंह पति कुंवर सिंह 25 वर्ष, आठ माह की गर्भवती थी। 19 नवम्बर की रात को वह अपने पति को गर्मी लगने की जानकारी दी, जिस पर उसका पति पंखा से हवा करने लगा, लेकिन उसे राहत नहीं मिली। इसकी जानकारी वह मितानिन को दिया, जिस पर शासकीय एम्बुलेंस से वे महिला को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे भर्ती कर लिया था, और आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध करा रहे थे। 20 नवम्बर को महिला और गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। महिला जिन परिस्थितियों के बीच अस्पताल पहुंची, इसे देखते हुए बीपी बढऩे की संभावना बनी हुई है। बहरहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री से यादव समाज के पदाधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

-संवाददाता-
राजपुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

यादव समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से दिल्ली स्थित उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के वनवासी क्षेत्रों में निवासरत यादव समाज के उत्थान,शिक्षा,सामाजिक सशक्तिकरण तथा युवाओं के अवसरों से जुड़े अहम मुद्दों पर मंत्री को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र सरकार की कार्ययोजना में देश और समाज हित में अहीर रेजिमेंट जैसी मांगों को शामिल करने पर जोर देते हुए मंत्री से इस दिशा में समर्थन देने का विनम्र आग्रह किया। रेजांगला कलश यात्रा प्रांतीय सहसंयोजक राजेश कुमार यादव अखिल भारतीय यादव महासभा सरगुजा संभाग अध्यक्ष परमानन्द यादव, सरगुजा संभाग महामंत्री धनीराम यादव,अम्बिकापुर नगर अध्यक्ष राधेश्याम यादव तथा संभाग उपाध्यक्ष श्यामधारी यादव उपस्थित रहे।

एनडीपीएस एक्ट एक और कार्यवाही : नशे का इंजेक्शन और टेबलेट लेकर ग्राहक तलाश रहे व्यक्ति आया पुलिस के हत्थे

-संवाददाता-
बलरामपुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

रामानुजागंज पुलिस ने नशे का इंजेक्शन और टेबलेट बेचने रहे व्यक्ति की तलाशी करने पर भरी मात्रा इंजेक्शन और टेबलेट जप्त कर आरोपी आरोपी पर अपराध क्रमांक 170/2025 धारा 21(सी) NDPS act के तहत कार्यवाही कर भेजा जेल। पुलिस ने अब तक कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जानकारी के अनुसार पूर्व में पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के द्वारा नशे का कारोबार करने वालो के ऊपर नजर रखने एवं संलिप्त पाए जाने पर एनडीपीएस एक्ट के

तहत कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था, जिसके तारतम्य में दिनांक 12.10.2025 को मुखबिर की सूचना पर आरोपी मंटू सोनी पिता प्रमोद सोनी उम्र 21 वर्ष निवासी रामानुजगंज को रिंग रोड रामानुजगंज में नशे का इंजेक्शन और टेबलेट बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश करते हुए पकड़कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में अल्प्राजोलम टेबलेट 210 नग, रेक्सोजेसिक इंजेक्शन 07 नग, एविल इंजेक्शन 05 नग गवाहों के समक्ष जप्त कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार प्रकरण में end to end कार्यवाही करते हुए नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त एवं आरोपी मंटू सोनी को अवैध नशीला इंजेक्शन एवं टैबलेट की सप्लाई करने वाले गोदारमना झारखंड निवासी दिलीप उर्फ भलटू गुप्ता पिता मनोज गुप्ता उम्र 25 वर्ष,रमेश कश्यप पिता महेश कश्यप उम्र 49 वर्ष निवासी रामानुजगंज को भी गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है,नशे की दवा के अवैध कारोबार में संलिप्त आरोपी तूफानी पासवान पिता प्रसिद्ध पासवान निवासी रामानुजगंज का फरार हो गया था।

राष्ट्रपति से बसंत की ऐतिहासिक मुलाकात...

73 साल बाद फिर दोहराया गया वही पल

1952 में 'गोलू' को मिला था राष्ट्रपति का नाम 'बसंत', 2025 में राष्ट्रपति मुर्मु ने फिर पूछा हाल-चाल...कहा...'आप मेरे भी पुत्र की तरह हैं' ...

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने जनजातीय समाज प्रमुखों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों से की मुलाकात

पण्डो जनजाति के बसन्त पण्डो से मिलकर कुशलक्षेम जाना...शॉल भेंट कर किया सम्मान...

-न्यूज डेस्क-
अंबिकापुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा की भूमि 20 नवम्बर 2025 को उस पल की साक्षी बनी,जिसकी प्रतीक्षा 73 वर्षों से थी, पण्डो जनजाति के बुजुर्ग बसंत पण्डो, जिन्हें 1952 में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने गोद में उठाकर 'बसंत' नाम दिया था,आज देश की 15वीं राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मिले, जिस मासूमियत से बसंत पण्डो ने अपना पत्र राष्ट्रपति को सौंपा,और जिस अपनत्व,स्नेह और गरिमा के साथ महामहिम ने उसे ग्रहण किया,वह दृश्य पूरे कार्यक्रम का सबसे मानवीय और हृदयस्पर्शी क्षण बन गया।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कार्यक्रम का सबसे मार्मिक क्षण वह था,जब राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु पण्डो जनजाति के बसन्त पण्डो से मिलने पहुंचीं,उन्होंने उनका कुशलक्षेम जाना और उन्हें सम्मानस्वरूप शॉल भेंट किया, बसन्त पण्डो ने राष्ट्रपति को वह ऐतिहासिक प्रसंग सुनाया '1952 में जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद अंबिकापुर आए थे,तब मैं 8 वर्ष का था, उन्होंने मुझे गोद लिया था, तभी से पण्डो जनजाति को 'राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र' का सम्मान मिला।' यह सुनकर राष्ट्रपति मुर्मु ने भावुक होकर कहा 'आप मेरे भी पुत्र की तरह हैं यह क्षण पूरे सभागार में गहरी भावनात्मक अनुभूति लेकर आया, जिस मासूमियत से बसन्त पण्डो ने अपनी पुरानी स्मृति सुनाई और जिस स्नेह अपनत्व से राष्ट्रपति ने उसे स्वीकार किया यह दृश्य जनजातीय गौरव दिवस का सबसे सुंदर और मानवीय क्षण बन गया।

1952 2025 : इतिहास का चक्र पूरा गोलू बना बसंत, बसंत मिला वर्तमान राष्ट्रपति से

1952 : 8 साल का 'गोलू' पहला ऐतिहासिक क्षण डॉ. राजेंद्र प्रसाद सरगुजा दौरे पर जब ओड़गी-बैजन पाठ के जंगलों में पहुंचे,उन्होंने एक झोपड़ी में बैठे छोटे बच्चे 'गोलू' को अपनी गोद में उठाया,प्यार से कहा 'आज से इसका नाम बसंत होगा।' और पण्डो समाज को अपना दत्तक पुत्र जैसा सम्मान दिया,यही वह पल था,जिसने पण्डो समाज की पहचान को नया अध्याय दिया।

2025 : 80 साल के बसंत का दूसरा ऐतिहासिक क्षण

आज वही बच्चा,अब 80 वर्ष के बुजुर्ग बसंत पण्डो, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिले, बसंत पण्डो ने काँपती आवाज में कहा '1952 में राष्ट्रपति ने मुझे अपनाया था... आज फिर मेरे समाज की पीड़ा सुनिए।' राष्ट्रपति मुर्मु ने मुस्कुराते हुए हाथ थामा और कहा 'आप मेरे भी पुत्र की तरह हैं।' यह वाक्य भी इतिहास में उसी सम्मान के साथ लिखा जाएगा।

घटती-घटना | सरगुजा समाचार | अम्बिकापुर, गुरुवार 20 नवम्बर 2025 | 3

1952: राष्ट्रपति ने नाम दिया 'बसंत' 2025: राष्ट्रपति सुनेंगी बसंत की व्यथा

8 साल का 'गोलू', 80 साल का 'बसंत'... और 73 साल बाद राष्ट्रपति से दूसरी मुलाकात

- 8 साल का 'गोलू' अब 80 की उम्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मिलेगा...
- भारत के प्रथम राष्ट्रपति से नाम मिला था 'बसंत', अब 15वीं राष्ट्रपति से होगी मुलाकात...
- 1952 में 8 साल के 'गोलू' से पहली मुलाकात...2025 में 80 साल के 'बसंत' से दूसरी मुलाकात...
- 73 साल बाद इतिहास दोहराने को तैयार सरगुजा...
- इतिहास का चक्र पूरा...पहले राष्ट्रपति ने उठाया था गोद में...अब 15वीं राष्ट्रपति करेंगी मुलाकात...
- अंकपत्र का गोलू अब वृद्ध बसंत,राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तक पहुँचने का 73 साल का सफर...
- बसंत की आंखों में 1952,और 2025 में फिर वही ऐतिहासिक पल...
- पंडो समाज की इम्मीडेट आज राष्ट्रपति के सामने,बसंत पंडो होंगे भावविभोर

जनजातीय समुदायों से आत्मीय भेंट-सम्मेलन

राष्ट्रपति ने बिरहोर,अबूझमाड़िया,बैगा,पहाड़ी कोरवा,उरांव,नगेशिया,खैरवार,कंवर,नागवंशी,मुरिया,गोंड, पण्डो और चेरवा जनजातियों के समाज प्रमुखों से सौजन्य भेंट की,उन्होंने हर प्रतिनिधि का हालचाल पूछा और उनके अनुभवों,समस्याओं एवं सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में आत्मीयता से चर्चा की पूरा वातावरण अपनत्व,सम्मान और संवेदना से भरा दिखाई दे रहा था। समूह फोटो,सम्मान समारोह और जनजातीय गौरव के प्रतीकात्मक दृश्य-राष्ट्रपति ने सभी समाज प्रमुखों, योद्धाओं और पीवीटीजी प्रतिनिधियों के साथ समूह फोटो खिंचवाया,यह केवल औपचारिकता नहीं थी–बल्कि उन समुदायों के प्रति देश की सर्वोच्च संवैधानिक पद की स्वीकृति और सम्मान का प्रतीक था।

दैनिक घटती-घटना ने इस पूरे ऐतिहासिक घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए रखी...

जमीनी स्तर से लेकर राष्ट्रपति कार्यक्रम स्थल तक,पूरी टीम हर अपडेट की निगरानी में जुटी रही,दैनिक घटती-घटना ने बसंत-राष्ट्रपति मुलाकात के हर पल पर पैनी नजर रखी,मैदान से लेकर मंच तक दैनिक घटती-घटना ने पूरे घटनाक्रम की चरणबद्ध कवरेज की,73 साल पुराने इतिहास के पुनर्जीवन को दैनिक घटती-घटना ने सबसे पहले और सबसे सटीक रूप में दर्ज किया,घटनास्थल,प्रशासनिक तैयारियाँ और बसंत पण्डो की यात्रा दैनिक घटती-घटना निरंतर रिपोर्टिंग में रहा सक्रिय।

निष्कर्ष

इतिहास ने 73 साल बाद खुद को दोहराया- 1952 में जो सम्मान शुरू हुआ था, 20 नवम्बर 2025 को वह सम्मान फिर पूरा हुआ,यह मुलाकात सिर्फ बसंत पण्डो की नहीं, बल्कि पूरे पण्डो समाज की पहचान,सम्मान और न्याय की आवाज है, सरगुजा ने एक बार फिर इतिहास को अपने आँगन में उतरते देखा है। राष्ट्रपति ने जनजातीय समाज के पुरोधाओं और सेनानियों के परिजनों का किया सम्मान- कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने सोनाखान क्रांति के जननायक शहीद वीर नारायण सिंह, परलकोट क्रांति के शहीद गेंदसिंह, झंडा सत्याग्रह के जननायक सुकदेव पातर,भूमकाल क्रांति के वीर बन्टु धुरवा,जंगल सत्याग्रह के शहीद रामधीन गोड़,स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजनाथ भगत एवं माझी राम गोंड़ के परिजनों का सम्मान किया और उनके अमूल्य योगदान को स्मरण किया।

भारतीय थल सेना अग्निवीर भर्ती 2025-26

शारीरिक दक्षता के निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि 24 नवंबर

-संवाददाता-
एमसीबी,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जिला रोजगार अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय थल सेना अग्निवीर भर्ती वर्ष 2025-26 के अंतर्गत थल सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा कम्प्यूटर आधारित परीक्षा का परिणाम जारी किए जाने के पश्चात प्रारंभिक रूप से चयनित अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित कराने हेतु निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में 1.6 किमी दौड़, बीम, पुल-अप, 9 फीट गड्ढा कूद सहित शारीरिक दक्षता से संबंधित प्रमुख अभ्यास शामिल रहेंगे। यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा, जिससे अभ्यर्थी आगामी चरण में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। जिले के वे सभी इच्छुक अभ्यर्थी, जिन्होंने कम्प्यूटर आधारित परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, वे अपने परीक्षा उत्तीर्ण संबंधी दस्तावेजों के साथ कार्यालयीन समय में जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, मनेन्द्रगढ़ (वार्ड क्रमांक 17, भगत सिंह वार्ड, जोड़ा तालाब छठ घाट के पास) में 24 नवम्बर 2025 तक अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर पंजीकरण करा सकते हैं।

ट्रक की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत,दो घायल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
ट्रक की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना में दो लोग घायल हो गए। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के लालमाटी की है। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची और घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया। जानकारी के मुताबिक लालमाटी निवासी दीपक एक्का पिता कृष्णा एक्का 18 वर्ष, बुधवार की शाम करीब 7.30 बजे बाइक में सवार होकर अरविन्द एक्का और आयुष केरकेट्टा के साथ जा रहा था, इसी दौरान पीछे से आ रही ट्रक क्रमांक एचआर 39 ई 7482 के चालक ने टक्कर मार दिया, जिसमें बाइक में पीछे बैठा दीपक एक्का सडक़ पर गिर गया, और ट्रक का चक्का उसके ऊपर से पार हो गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी।

सूरजपुर पुलिस परिवार के बच्चों ने खेलों में हासिल किया गोल्ड मेडल

जूडो व रिले रेस प्रतियोगिता के नेशनल में बनाई जगह,डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने किया सम्मानित

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
जिले के पुलिस परिवार के बच्चों ने जुड़ो और रिले रेस प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर नोयडा में आयोजित होने वाले नेशनल प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है। गोल्ड मेडल विजेता छात्रों ने डीएव्ही पब्लिक स्कूल विश्रामपुर में आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। बुधवार, 19 नवम्बर 2025 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना प्रभारी प्रेमनगर विराट विशी के पुत्री अन्नपूर्णा विशी, पुत्र विजय विशी जिन्होंने जुडो में गोल्ड मेडल एवं चौकी प्रभारी खड़गवां रघुवंश सिंह के पुत्र आदित्य सिंह ने रिले रेस में गोल्ड मेडल अर्जित कर पुलिस परिवार का मान बढ़ाने पर तीनों विजेताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया है। इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस परिवार के बच्चों के उत्कृष्ट खेल की सराहना की और कहा कि सम्मान करने का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को पहचान देना, उनके आत्म विश्वास को बढ़ाना और उन्हें आगामी तैयारियों के लिए प्रोत्साहित करना है। छात्राओं ने न केवल विद्यालय और अभिभावकों का नाम रोशन किया है, बल्कि सूरजपुर पुलिस का भी मान बढ़ाया है। इस अवसर पर थाना प्रभारी प्रेमनगर विराट विशि, चौकी प्रभारी खड़गवां रघुवंश सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बेटे की हत्या के शक में मां ने मध्यप्रदेश में खुदवाई थी कब्र,1 साल बाद पुलिस ने पकड़ा जिंदा

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
एमसीबी जिले के जनकपुर निवासी एक युवक अपने परिचित के साथ काम करने गया था। परिचित तो घर लौट गया था लेकिन युवक नहीं लौटा था। 9 महीने तक खोजबीन के बाद उसकी मां ने उसकी हत्या की आशंका जताते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसे आशंका थी बेटे की हत्याकर परिचित ने मध्यप्रदेश में अपने एक रिश्तेदार के घर के पास शव दफन कर दिया है।

पुलिस मध्यप्रदेश पहुंची और जमीन की खुदाई करवाई, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि गुम युवक अपने भाई के ससुराल शहडोल इलाके में है। इसके बाद पुलिस ने वहां जाकर उसे बरामद कर लिया। पुलिस ने युवक को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया है। जनकपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बड़वाही घुघरीपारा निवासी गुड्डी पनिका ने 12 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि उसका बेटा राजकुमार (19)17 नवंबर 2024 को गांव के छोटू बैगा के साथ काम करने मेरठ गया था। छोटू लौट गया, लेकिन राजकुमार का कोई पता नहीं चल रहा है। छोटू से भी सही जानकारी नहीं मिल रही है। पुलिस ने गुम इंसान दर्ज कर जांच प्रारंभ की थी। एसपी रतना सिंह ने थाना प्रभारी ओमप्रकाश दुबे को मामले में हर संभव कदम उठाने निर्देश दिया। साथ ही एसडीओपी एलेक्सुस टोप्पो की अगुवाई में पुलिस टीम ने गुम व्यक्ति के हर संभावित बिन्दुओं पर सघन जांच की।

योगेश प्रताप सिंह ने आईआईटी भिलाई में प्रोफेसर पद पर किया ज्वाइन

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सरगुजा अंचल के होनहार युवा डॉक्टर योगेश प्रताप सिंह ने अपने गृह राज्य की सेवा के लिए प्रतिष्ठित भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर के सीनियर रिसर्च एसोसिएट की नौकरी त्यागकर आई आई टी भिलाई में प्रोफेसर का पदभार ग्रहण कर लिया है। उनका सपना गृह राज्य के आई आई टी को भारतीय विज्ञान संस्थान की तर्ज पर विकसित करने की है। योगेश पी जी कालेज अम्बिकापुर के सेवानिवृत स्पोर्ट्स आफिसर एमडी सिंह के पौत्र एवं शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय अम्बिकापुर में कार्यरत सोमेन्द्र प्रताप सिंह तथा पूर्णिमा सिंह के पुत्र हैं। उनके इस उपलब्धि पर परिवार एवं मित्रों में हर्ष व्याप्त है।

बिना पिट पास परमिट के रेत परिवहन पर हाईवा वाहन चालक व मालिक को माननीय न्यायालय ने 36300 रूपये का लगाया जुर्माना

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस सड़क दुर्घटना रोकने एवं आमजनों को यातायात नियमों से अवगत कराने लगातार अभियान चला रही है साथ ही वाहन चेकिंग प्वाईंट लगाकर लापरवाहों पर सख्ती भी बरतने के अलावे अवैध गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 17.11.2025 को थाना चंदौरा पुलिस की वाहन चेकिंग के दौरान हाईवा क्रमांक सीजी 15 डीएच 8125 प्रतापपुर से चंदौरा बिना पिट पास के परमिट शर्तों को उल्लघंन करते हुए अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर वाहन जप्त कर एमव्ही एक्ट की धारा 113/194(1), 39/192,146/196, 56/192, 130(3)/177 के तहत कार्यवाही कर इस्तगाशा माननीय न्यायालय प्रतापपुर में पेश किया। माननीय न्यायालय द्वारा वाहन चालक श्याम बरन राजवाड़े निवासी मयुरधक्की को 26300 रूपये एवं वाहन स्वामी कंचन प्रसाद सोनी निवासी प्रतापपुर को 10000 रूपये का जुर्माना लगाया है।

विधायक शकुंतला पोर्ते की मुश्किलें बढ़ती जा रही है, जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति ने दस्तावेज प्रस्तुत करने को भेजा नोटिस

-संवाददाता-
सूरजपुर, 20 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सूरजपुर जिले के विधानसभा प्रतापपुर की विधायक शकुंतला पोर्ते की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। कार्यालय कलेक्टर आदिवासी विकास स्तरीय जाति प्रमाण-पत्र सत्यापन समिति बलरामपुर-रामाजुगजंग ने 27 नवंबर को अनुसूचित जनजाति दस्तावेज प्रस्तुत करने को नोटिस भेजा। नोटिस में सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण पत्र/जाति प्रमाण पत्र (स्थायी) के सत्यापन के संबंध में आवेदक धन सिंह धुर्वे ग्राम व पोस्ट नवगई थाना व तहसील रघुनाथनगर के द्वारा शिकायत आवेदन पत्र इस कार्यालय को प्रेषित किया गया है तथा आवेदक जयश्री सिंह पुसाम पिता बेचन सिंह ग्राम गौरमाटी, महेवा, वाड्रफनगर जिला बलरामपुर के द्वारा उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका क्रमांक WPC No. 2966/2025 दायर किया गया है। उच्च न्यायालय द्वारा उक्त प्रकरण पर यथाशीघ्र अभिलेख प्रस्तुत करते हुए कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। नोटस में 'गोंड़' अनुसूचित जनजाति का जाति प्रमाण-पत्र जारी किया गया है। जिन अभिलेखों के आधार पर

उक्त स्थायी जाति प्रमाण-पत्र जारी किया गया है, उन अभिलेखों की मूल प्रति के साथ-साथ पूर्वजों के राजस्व अभिलेख, जन्म-मृत्यु संबंधी पंजीयन, शालेय दाखिल खारिज पंजी, निवास संबंधी अभिलेख अथवा अन्य सुसंगत अभिलेखों को समिति के समक्ष 27 नवंबर 2025 को समय प्रातः 11 बजे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपलब्ध कराने को कहा है।

CMYK

क्या न्यायालय से जीत के बाद भी करना पड़ेगा इंतज़ार ?

11 साल की लड़ाई...फैसला मिल गया पर ज्वाइनिंग अब भी सवालों में...

आखिर किसकी लापरवाही से 'पात्रों' की जगह 'अपात्रों' को मिली नौकरी ?

11 साल बाद न्याय...37 टॉपर अभ्यर्थियों के लिए फिर जगी नौकरी की उम्मीद...

कोरिया की बहुचर्चित संयुक्त भर्ती परीक्षा में बड़ा मोड़, प्रशासन की सारी दलीलें खारिज

नकल का एक भी प्रमाण नहीं, फिर भी 37 टॉपरों को चयन सूची से बाहर कर दिया गया था

रिव्यू पिटीशन भी खारिज, अब नौकरी बहाली की राह लगभग साफ

11 साल का इंतजार न्यायालय से जीत... उत्साह तो है पर कार्य पर कब आएंगे यह अभी भी सवाल ?

11 सालों से न्यायालय के चक्कर काट रहे 37 अभ्यर्थी काफी उत्साहित बताए जा रहे हैं,इस उत्साह के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि वह कब तक नौकरी में आएंगे,जैसा कि सूत्रों से पता चल रहा है 37 पदों के लिए सीधे नियुक्ति आदेश देने की स्थिति में नहीं है जिला प्रशासन वहीं जिला प्रशासन 37 उन लोगों को नौकरी से हटाने का विचार कर सकती है को उन 37 लोगों की जगह पर कार्य कर रहे हैं जिन्हें अब न्यायालय से जीत मिली है,हटाने और नियुक्ति प्रदान करने में कितना समय लगने वाला है यह देखने वाला विषय होगा।

आखिर किसकी लापरवाही से पात्र की जगह आपत्रों को मिली नौकरी ?

37 अभ्यर्थी केवल इसलिए वर्ष 2014 संयुक्त भर्ती अभियान अंतर्गत चयन सूची से बाहर किए गए क्योंकि तब यह जिला प्रशासन का तर्क था कि 37 अभ्यर्थी जो टॉपर थे वह नकल करके टॉपर बने थे,वैसे बताया जाता है कि नकल का कोई साक्ष्य जिला प्रशासन प्रस्तुत नहीं कर सका,अब ऐसे में यह भी सवाल उठता है कि क्या केवल अधिक नंबर पाना ही नकल करने का साक्ष्य था जिसे न्यायालय ने भी अस्वीकार कर दिया,सवाल यह भी कि बिना साक्ष्य नकल करना बताया जाना और चयन सूची से बाहर किया जाना किसकी गलती थी कौन इसका जिम्मेदार है।

कोरिया जिला अब दो भागों में विभक्त,37 लोगों की नियुक्ति के बीच जिलों की भी अड़चनें आएंगी सामने

जब 2014 में संयुक्त भर्ती संपन्न की गई तब कोरिया जिला अविभाजित जिला था,अब जिला दो जिलों में बंट चुका है,संयुक्त भर्ती के दौरान चयनित अभ्यर्थी आज दोनों जिलों में कार्यरत हैं,अब यदि 37 लोगों को नौकरी से हटाते हुए 37 को नौकरी देने की बात सामने आएगी तो एक अड़चन यह भी आएगी कि 37 में से कुछ विभाजित जिले में पदस्थ हैं,उन्हें हटाना और उनकी जगह 37 को भेजना अन्य जिले में यह सब प्रक्रिया काफी धीमी चाल वाली प्रक्रिया होगी जिसमें बेवजह का समय ही व्यतीत होगा ऐसा कहा जा सकता है।

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,20 नवंबर 2025(घटती-घटना)।
कोरिया जिले की सबसे विवादित और बहुचर्चित संयुक्त भर्ती परीक्षा 2014 एक बार फिर सुर्खियों के केंद्र में है,पूरे 11 साल बाद बिलासपुर उच्च न्यायालय ने वह फैसला सुना दिया है, जिसका इंतज़ार 37 टॉपर अभ्यर्थी वर्षों से कर रहे थे, हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन और राज्य शासन की सभी दलीलों को सिरे से खारिज करते हुए, 37 अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला कायम रखा है। प्रशासन की ओर से दायर की गई रिव्यू पिटिशन भी अदालत ने खारिज कर दी है। इससे अब स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि 37 टॉपर अभ्यर्थियों को आखिरकार वह न्याय मिलने वाला है, जिससे उन्हें 11 साल से वंचित किया गया था।

11 साल बाद जाया!

37 तपपर अधयीयें के लिों पिर जगी नेकरी बी उमीड

कोरी सयौत ध्रतिं एरेथ-2014

अब नज़रें जिला प्रशासन की तत्परता पर

हाईकोर्ट का फैसला साफ है,रिव्यू याचिका भी खारिज, और 37 टॉपर अभ्यर्थी 11 साल से अपने हक के लिए लड़ते-लड़ते अब मंज़िल के बिल्कुल करीब हैं।

निष्कर्षः न्याय मिला पर न्याय लागू होना अभी बाकी

37 अभ्यर्थियों ने 11 साल लड़कर अपना अधिकार प्राप्त किया है लेकिन ज़मीन पर उनकी नियुक्ति लागू होने तक लड़ाई का दूसरा चरण अभी बाकी है।

अब सवाल यह है...

क्या कोरिया जिला प्रशासन तुरंत कार्रवाई कर इन 37 अभ्यर्थियों को न्याय दिलाएगा?
11 साल से लटकी नौकरी आखिर कब उनके हाथ आएगी?
यह आने वाले दिनों में जिले की सबसे बड़ी खबर होगी।

बिना किसी सबूत के 'नकलची' घोषित कर बाहर किया गया था...

2014 में संयुक्त भर्ती परीक्षा के बाद जब चयन सूची जारी हुई, तो 37 अभ्यर्थी शीर्ष स्थानों पर थे,इसी बात को आधार बनाकर जिला प्रशासन ने उन्हें संदिग्ध और नकलची मान लिया लेकिन नकल का एक भी प्रमाण पेश नहीं किया गया,कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं,कोई कॉपी मिलान रिपोर्ट नहीं,कोई पुख्ता जांच रिपोर्ट नहीं, प्रश्नपत्र लीक या पूर्व जानकारी का एक भी सबूत नहीं, इसके बावजूद सभी 37 टॉपरों को चयन सूची से बाहर कर दिया गया,यही वह निर्णय था,जिसने इन अभ्यर्थियों को 11 साल की लंबी न्यायिक लड़ाई लड़ने पर मजबूर कर दिया।

हाईकोर्ट का स्पष्ट संदेश...सिर्फ टॉपर होना अपराध नहीं...

हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में साफ कहा उच्च अंक प्राप्त कर लेने मात्र से किसी अभ्यर्थी को नकलची नहीं माना जा सकता, जब तक कि ठोस प्रमाण न हों। यह टिप्पणी मामले का निर्णायक बिंदु साबित हुई। अदालत ने प्रशासन की मंशा,प्रक्रिया और जांच को लेकर कई गंभीर सवाल भी उठाए।

एक साल तक मामला लटकाने की कोशिश भी नाकाम

गत वर्ष ही हाईकोर्ट ने 37 अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला दे दिया था, लेकिन जिला प्रशासन ने एक आखिरी प्रयास करते हुए समीक्षा याचिका दायर कर फैसले को लगभग एक वर्ष तक रोके रखा, अब यह याचिका भी खारिज हो चुकी है।

37 लोगों की जगह जिनकी नियुक्ति हुई थी,जल्द हटाने की तैयारी ?

जिला प्रशासन के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक प्रशासन ने उन सभी कर्मचारियों की सूची तैयार कर ली है, जिन्हें 37 टॉपर अभ्यर्थियों की जगह पर नियुक्त किया गया था, और उन्हें नोटिस जारी कर सेवा समाप्ति की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है, यह कदम जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा, जिले में बड़ा प्रशासनिक और राजनीतिक हलचल होना तय है।

क्या न्यायालय से जीत मिलने के बाद भी अभ्यर्थियों को और करना पड़ेगा इंतजार ?

11 साल बाद 37 अभ्यर्थियों को उनके इंतजार का परिणाम मिला है,न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि 37 लोगों का दावा सही है और वह नौकरी के लिए पात्र हैं,अब न्यायालय के फैसले के बाद क्या 37 उन अभ्यर्थियों को तत्काल नौकरी दी जाएगी जिन्हें नकलची बताकर चयन सूची से बाहर कर दिया गया था,जबकि नकल का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया जा सका था। देखना होगा जिला प्रशासन पूरे मामले में कितनी तत्परता दिखाता है क्योंकि 37 अभ्यर्थी 11 साल से अपने अधिकार के लिए लड़ रहे हैं और अब न्यायालय के फैसले के बाद उनमें उम्मीद जागी है।

37 अभ्यर्थी रखने हटाए जा सकते हैं 37 कार्यरत कर्मचारी, क्या 11 साल बाद किसी की नौकरी छीनना उचित?

11 साल बाद न्यायालय ने स्पष्ट किया कि कोरिया जिले में वर्ष 2014 में संयुक्त भर्ती अभियान अंतर्गत जो 37 अभ्यर्थी चतुर्थ श्रेणी पद के लिए अपात्र किए गए थे वह पात्र थे और उन्हें नौकरी दिया जाना न्याय है,अब जैसी जानकारी मिल रही है जिला प्रशासन पूरे मामले में 37 उन अभ्यर्थियों को नौकरी से बाहर कर सकती है जो 37 टॉपर अभ्यर्थियों की जगह 11 साल से नौकरी कर रहे हैं,अब ऐसे में यह एक बड़ा प्रश्न है कि क्या 37 अभ्यर्थी रखने के लिए 37 नौकरी कर रहे लोगों को 11 साल बाद नौकरी से हटाया जाना उचित है,आज जिन 37 अभ्यार्थियों को नौकरी से हटाए जाने की बातें सामने आ रही हैं वह इसी नौकरी के आश्रित हैं और उनका परिवार भी इसी नौकरी पर आश्रित है ऐसे में उनकी नौकरी जाने पर उनका और उनके परिवार का भरण पोषण कैसे होगा यह एक बड़ी समस्या उनके सामने खड़ी हो जाएगी,11 साल सेवा उपरांत अब 37 नौकरी कर रहे लोग उम्र की उस दहलीज पर भी हैं जहां से नौकरी के लिए उम्र की बाध्यता होगी जो वह पार कर चुके हैं और उन्हें नौकरी मिलना मुश्किल नहीं नामुमकिन है,अब इन परस्थितियों में 37 लोगों को नौकरी से निकाला जाना या उन्हें कोई नोटिस देना कहां तक सही होगा,वैसे जो 37 लोग नौकरी कर रहे हैं उन्होंने न ही मेरिट सूची बनाई न ही उन्होंने खुद नौकरी के लिए कहा ही,जिला प्रशासन और भर्ती समिति ने उनकी नियुक्ति की और वह कार्य करने लगे,इस हिसाब से वह कहीं से दोषी नहीं,अब ऐसे में उन्हें नौकरी से निकाले जाने की कोशिश कहां तक सही यह भी एक सवाल है

निरीक्षण में लापरवाही उजागरः अनुपस्थित कर्मचारियों को किया गया अवैतनिक

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने हेतु सीएमएचओ टीम का औचक निरीक्षण,दो आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंद पाए गए

-संवाददाता-
कोरिया,20 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री अशरफ अंसारी एवं टीम द्वारा आज विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया गया।

टीम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर कंचनपुर,कसरा,छिंदिया,अमहर और महोरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कंचनपुर एवं छिंदिया के आयुष्मान आरोग्य मंदिर बंद पाए गए,जबकि कुछ संस्थाओं में कर्मचारी अपने कार्यस्थल से अनुपस्थित मिले। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए अवैतनिक (बिना वेतन) आदेश जारी कर दिए हैं। अधिकारियों ने निर्देशित किया कि सभी संस्थाएँ समय पर खोली जाएँ, राष्ट्रीय कार्यक्रमों का नियमित संपादन हो, सभी कार्यों की निर्धारित दिवस पर 100 प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाए, सभी ऑनलाइन पोर्टल एंट्री समय पर की जाए। निरीक्षण के दौरान गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं एवं 6 वर्ष से कम बच्चों को नियमित टीकाकरण,स्वास्थ्य जांच एवं संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। टीम ने यह भी देखा कि जरूरतमंद लोगों, विशेषकर वृद्धजनों तक स्वास्थ्य सेवाएँ समय पर पहुँच रही हैं या नहीं।

कलेक्टर ने अपना गणना पत्र बीएलओ से कराया सत्यापन

-संवाददाता-
जशपुरनगर,20 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर अभियान के तहत गुरुवार को कलेक्टर श्री रोहित व्यास को बूथ लेवल अधिकारी द्वारा उनके शासकीय आवास पहुँचकर उन्हें गणना प्रपत्र सौंपा गया। ततपश्चात कलेक्टर जशपुर ने गणना पत्र भरकर बीएलओ एप से सत्यापन कराया। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि मतदाता सूची में अपने नाम का सत्यापन अवश्य कराएं। उल्लेखनीय है कि जिले में बीएलओ द्वारा घर घर जाकर मतदाताओं से एसआईआर के तहत गणना पप्रत्र सौंप कर सत्यापन का कार्य निरंतर किया जा रहा है। यह कार्य 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 25 तक निरंतर किया जाएगा ।

एंबुलेंस समय पर नहीं पहूंचने पर चलती ई-रिक्शा में महिला ने बच्चे को दिया जन्म

-संवाददाता-
कोरबा,20 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
कोरबा जिले में दर्री थाना क्षेत्र के अयोध्यापुरी अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं की लापरवाही का एक गंभीर आरोप सामने आया है। बताया जा रहा हैं की यहां एक महिला ने चलती ई-रिक्शा में बच्चे को जन्म दिया। लेबर पेन बढ़ने के बाद परिजनों ने महतारी एक्सप्रेस-102 एम्बुलेंस को कॉल किया, लेकिन वाहन समय पर नहीं पहुंच पाया, मजबूरन महिला को ई-रिक्शा से जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था, इसी दौरान बुधवारी के पास उसने स्वस्थ नवजात को जन्म दे दिया। जानकारी के अनुसार अयोध्यापुरी निवासी महिला को सुबह लेबर पेन बढ़ने पर नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां जांच के दौरान स्टाफ ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। उन्हें बताया गया कि महिला में खून की कमी है, जिसके चलते प्रसव में जटिलता हो सकती है। एम्बुलेंस के लिए कॉल किया गया, पर देर तक वाहन नहीं पहुंच पाया। इसके बाद स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने एक ऑटो चालक को बुलाया। महिला के पति जो पेशे से राज मिस्त्री हैं, उनका गंभीर आरोप है कि उनकी पत्नी की हालत बिगड़ती देख मितानिन वहां से अपने घर चली गई। कॉल करने और बुलाने के बाद भी मितानिन जिला अस्पताल तक साथ नहीं गई। परिजन महिला को ई-रिक्शा में जिला मेडिकल कॉलेज ले जा रहे थे तभी रास्ते में बुधवारी के उसने शिशु को जन्म दे दिया। चिकित्सालय पहुंचते ही प्रसूता और नवजात को तत्काल भर्ती किया गया जहां दोनों का उपचार जारी है। चिकित्सालय प्रबंधन के अनुसार जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा)
जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़
कलेक्टोरेट परिसर सूरजपुर, जिला सूरजपुर,497229
E-mail:miningsurajpur26@gmail.com

क्रमांक/854/रेत/2025 सूरजपुर दिनांक-18/11/2025

निविदा आमंत्रण सूचना
गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन पट्टा खदान आबंटन हेतु इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन)

सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर (खनि शाखा) जिला सूरजपुर, छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम 2025 के नियम- 7 के तहत इलेक्ट्रॉनिक- नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से द्वितीय चरण में 05 साधारण रेत उत्खननपट्टा खदान **हर्राटिकरा 01 एवं 02** (ग्राम पंचायत हर्राटिकरा, तहसील लटोरी), **राजापुर -2** (ग्राम पंचायत राजापुर, तहसील सूरजपुर) एवं **नमदगिरी 01 एवं 02** (ग्राम पंचायत नमदगिरी, तहसील सूरजपुर) आबंटन किया जाना है, जिस हेतु आर्हता प्राप्त बोलीदार इलेक्ट्रॉनिक - नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) में भाग ले सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक- नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) हेतु तकनीकी एवं वित्तीय बोली **07 दिवस, दिनांक 10.12.2025 से 16.12.2025 (05:30 PM तक)** ऑनलाईन केवल के माध्यम से स्वीकार की जायेगी। निविदा के नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी MSTC पोर्टल, https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/mmb/sandcg/index.jsp के माध्यम से स्वीकार कि जावेगी। निविदा के नियम एवं शर्तों कि विस्तृत जानकारी MSTC पोर्टल, खनिज साधन विभाग की वेबसाईट https://chhattisgarhmines.gov.in/ जिला कार्यालय की वेबसाईट https://surajpur.nic.in/ तथा कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला सूरजपुर (छ0ग0) एवं संबंधित ग्राम पंचायत /जनपद पंचायत / जिला पंचायत भवन के सूचना पटल में अवलोकन कर प्राप्त कर सकता है।

कलेक्टर
जिला-सूरजपुर (छ0ग0)
जी नंबर-242504901/1

स्कूल परिसर में खुली फ्लाई ऐश ईट फैक्ट्री !

भाजपा मंडल ने की शिकायत, प्रशासन ने कराया बंद

भाजपा नेता के काम की...भाजपा नेताओं ने ही की शिकायत...

पूर्व विधायक गुलाब कमरो बोले...'भाजपा सरकार में ठेकेदारों की दादागिरी चरम पर'

-राजन पाण्डेय-

बैकुंठपुर,20 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। सोनहत ब्लॉक के वनांचल ग्राम कछाड़ी की प्राथमिक शाला परिसर में फ्लाई ऐश ईंट बनाने की फैक्ट्री चलाए जाने का मामला तूल पकड़ चुका है। हैरानी की बात यह कि जिस ठेकेदार को भाजपा नेताओं का संरक्षण बताया जा रहा है, उसी कार्य की शिकायत भाजपा मंडल के नेताओं ने प्रशासन से लिखित रूप में कर दी...भाजपा पदाधिकारियों की टीम,जिसमें मंडल महामंत्री मनोज साहू भी शामिल थे,स्कूल पहुंची और पूरे परिसर का मुआयना किया। टीम ने पाया कि स्कूल परिसर में फ्लाई ऐश ईंट निर्माण की मशीनें लगाई गई थी,परिसर में नई ईंटें तैयार कर सुखाई जा रही थी,ईंट बनाने में स्कूल के सोलर पंप का पानी उपयोग किया जा रहा था,परिसर के चारों ओर फ्लाई ऐश की राखड़ फैली थी,जो बच्चों और स्टाफ के लिए हानिकारक है,घटना के समय ठेकेदार और कर्मचारी मौके पर नहीं मिले। भाजपा टीम ने पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कर रिपोर्ट तैयार की है, मनोज साहू ने एसडीएम को शिकायत देकर मशीन जब्ती की मांग की है। उनका आरोप है कि प्राथमिक स्कूल, पंचायत भवन, पीडीएस दुकान और आंगनबाड़ी केंद्र के बीच पूरे सरकारी परिसर को अवैध ईंट निर्माण केंद्र बना दिया गया है, जिससे बच्चों की सेहत और स्कूल वातावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो का बड़ा आरोप

कछाड़ी में स्कूल नहीं,भाजपा संरक्षण में ठेकेदारों की फैक्ट्री चल रही÷ पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने प्रशासन और सरकार दोनों पर कड़ा हमला बोला है,उनका कहना की कछाड़ी में बच्चों का स्कूल नहीं,भाजपा शासन में ठेकेदारों की फ्लाई ऐश फैक्ट्री चल रही है बच्चे राखड़ में सांस ले रहे हैं और ठेकेदार मालामाल हो रहे हैं यही भाजपा का विकास मॉडल है। पूर्व विधायक ने मांग की है कि मशीन तत्काल जब्त की जाए,पूरे परिसर की सफाई की जाए, दोषियों पर कार्रवाई हो और यदि कार्रवाई नहीं हुई, तो वे ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल परिसर में धरना देंगे।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर उठाया मुद्दा...खबर वायरल

मामले में मीडिया में आई खबर जैसे ही रायपुर पहुंची,इंडियन नेशनल कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने इसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करते हुए लिखा कछाड़ी में स्कूल नहीं,भाजपा संरक्षण में ठेकेदारों की फ्लाई ऐश फैक्ट्री चल रही हैज बच्चे राखड़ में, ठेकेदार मालामाल। इस पोस्ट के बाद मामला प्रदेश स्तर पर वायरल हो गया और प्रशासन पर दबाव और बढ़ गया।

प्रशासन सक्रिय, फ्लाई ऐश निर्माण बंद, मशीन हटवाई; भाजपा नेता बोले:जब्ती नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे...

पूर्व विधायक गुलाब कमरो के विरोध और भाजपा मंडल महामंत्री मनोज साहू की लिखित शिकायत के बाद प्रशासन की टीम मौके पर पहुँची, निरीक्षण के बाद फ्लाई ऐश ईंट निर्माण तत्काल बंद कराया गया और मशीन हटाने की कार्रवाई की गई,हालांकि मनोज साहू ने कहा है मशीन सिर्फ हटवाने से बात नहीं बनेगी। अगर प्रशासन जब्ती की कार्रवाई नहीं करता,तो हम आंदोलन करेंगे।

मामले ने पकड़ी राजनीतिक गर्मी... भाजपा बनाम भाजपा,कांग्रेस भी कूदी मैदान में...

इस पूरे घटनाक्रम ने अचानक एक साधारण प्रशासनिक लापरवाही को राजनीतिक टकराव में बदल दिया है, भाजपा नेता ही भाजपा नेता के खिलाफ शिकायत कर रहे हैं, कांग्रेस इसे सरकार की विफलता बता रही है, प्रशासन दबाव में आ चुका है और स्कूल परिसर में पढ़ने वाले बच्चे इस विवाद के बीच सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

भरतपुर में शुरू हुई नई बस सेवा

-संवाददाता-

एमसीबी,20 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जिले के भरतपुर ब्लॉक की जनपद पंचायत में ग्रामीण बस सेवा के अंतर्गत नई बस सेवा का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य,जनपद सदस्य सुखलाल मरावी, नगर पंचायत अध्यक्ष कौशल पटेल, उपाध्यक्ष निलेश मिश्रा, जनपद सीईओ अजय सिंह राठौर, तहसीलदार भरतपुर, परिवहन अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और जनहितकारी सोच के कारण ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर, सुलभ और आधुनिक परिवहन सुविधाएं पहुंचाने का सपना अब साकार होता दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता हमेशा से अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना रहा है, और ग्रामीण बस सेवा इसका बेहतरीन उदाहरण है। उनकी दूरदर्शिता और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को समझने की क्षमता ने परिवहन व्यवस्था को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी सुविधा

नई बस सेवा की शुरुआत से भरतपुर सहित आसपास के गांवों के विद्यार्थियों, महिलाओं, मजदूरों और आम नागरिकों को अब सुरक्षित, समयबद्ध और सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन की कमी के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब यह बस सेवा उनके दैनिक जीवन में गति और सहजता लाएगी। विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज तक पहुंचने में सुविधा होगी, महिलाएं बिना परेशानी के बाज़ार, अस्पताल व अन्य आवश्यक कार्यों के लिए यात्रा कर सकेंगी, वहीं मजदूर वर्ग को रोजगार स्थलों तक पहुंचना और भी आसान हो जाएगा।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बसों को मिली हरी झंडी

कार्यक्रम के अंत में सभी गणमान्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में नई बसों को हरी झंडी दिखाकर उनके निर्धारित मार्गों की ओर रवाना किया गया। बसों के प्रस्थान के साथ ही ग्रामीणों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। लोगों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सेवा उनकी वास्तविक जरूरत को पूरा करती है।

खड़गवां तहसील क्षेत्र में पटवारियों के द्वारा रखे गए कम्प्यूटर आपरेटर कर रहे हैं किसानों से वसूली ?

- तहसील कार्यालय खड़गवां के आदेश का नहीं हो रहा है पालन ?
- रिश्वत की रकम पटवारियों द्वारा रखे दलाल कर रहे हैं रेट निर्धारित कर वसूली ?

-राजेन्द्र शर्मा-

खडगवां,20 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। खड़गवां तहसील के राजस्व विभाग में अंधेर नगरी चौपट राजा के तर्ज पर चल रहा है क्षेत्र के पटवारियों के द्वारा किसानों से राशि वसूली का नया तरीका इस्तेमाल किया जा रहा है। अपने पटवारी कार्यलय में कम्प्यूटर आपरेटर के नाम पर आदमी रखकर धड़ल्ले से अवैध उगाही किसानों से की जा रही है। और किसानों से हर काम के लिए मोटी रकम की डिमांड किया जाता है। सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि क्षेत्र में ये पटवारियों का धंधा बड़े जोर से फल फूल रहा है। राजस्व मामले में बिना रिश्वत के कोई काम नहीं होता यह कोई आम बात नहीं है जबकि प्रदेश स्तर पर रिश्वत की राशि लेते रंगेहाथ पकडे जाने जाने कि घटना हो रही है। और कई पटवारी रिश्वत लेते पकड़े भी गए हैं। इसके बावजूद यह रिश्वत वाला चलन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा ऐसा लग रहा है कि इनका शासन की तनख्वाह से नहीं रिश्वत के पैसों से घर परिवार का भरण-पोषण होता है। बिना रिश्वत के किसानों के छोटे छोटे काम की राशि पटवारी के द्वारा लिए जाने के बाद भी किसान को चकर काटने पड रहे हैं और किसानों को सिर्फ और सिर्फ तारीख पर तारीख ही पटवारी के द्वारा दी जा रही है। खड़गवां तहसील में कई ऐसे मामले देखे जा सकते हैं। जबकि कैबिनेट मंत्री के गृहक्षेत्र में किसान इन पटवारियों की प्रताड़ना के शिकार हो रहे हैं? इसके बावजूद इस पर नियंत्रण लगा पाने में सरकार भी नाकाम होती दिख रही है। पटवारियों का तो हाल और भी बुरा है पटवारी हर काम के लिए बिना पैसे के कागज पर हस्ताक्षर नहीं करते सील लगाकर रखेंगे पर हस्ताक्षर तो पैसा मिलने के बाद ही करेंगे। ऐसा ही कोई मामले सामने आ रहे है।

खड़गवां तहसील क्षेत्र के सभी हल्का पटवारीओ की शिकायत ग्रामीणों के द्वारा आए दिन स्वास्थ्य मंत्री से किया जाता है ?

सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि पटवारियों के द्वारा अपने कंप्यूटर आपरेटर से ग्रामीणों के कार्य के लिये अपने निजी आवास में बुलाया जाता है। और वहां पर लेन-देन की बात और रेट कंप्यूटर आपरेटर जो एक नाम मात्र के लिए रखा गया है वो पूरा कार्य दलाली का करता है इस तरह क्षेत्र के ग्रामीण किसान इन पटवारी के द्वारा निर्धारित रेट की रकम जब तक ग्रामीण ना दे तब तक किसानों को घुमाया जाता है। यहां तक कि पटवारी कार्यो के लिए रेट निर्धारित करके रखे हुए है। पटवरियों पर प्रशासनिक कसावट नही होने से पटवारी बेलगाम से हो गए है। अपने हल्का में कभी बैठते नही है। बल्कि अपने निजी निवास को ही अपना हल्का बना कर रखे हुए है। जिसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से कई दफा करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती है जिसके कारण इनका हौसला काफी बुलंद हो गया है?

कस्तुरबा विद्यालय बंजी में बाल अधिकार सप्ताह का हुआ भव्य आयोजन संपन्नः छात्राओं ने पोस्टर, कला और कहानियों से बाल अधिकारों का दिया प्रभावशाली संदेश

-संवाददाता-

एमसीबी,20 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन और महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में आज कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय बंजी विकासखंड मनेंद्रगढ़ में बाल अधिकार दिवस सप्ताह के तहत प्रेरणादायी और सृजनात्मक बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर बालिकाओं की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और उमंग से भर उठा, जहां हर गतिविधि बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता और बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ती दिखी।

बाल अधिकारों की समझ और जागरूकता का उत्सव

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत 20 से 25 नवंबर तक चल रहे इस विशेष सप्ताह में नाट्य प्रस्तुति, चित्रकला, पोस्टर निर्माण और रचनात्मक लेखन जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से बालिकाओं को अपनी अभिव्यक्ति और सृजनशीलता दिखाने का अवसर मिला। हस्स् और हृष्ट्ट के सहयोग से प्रस्तुत नाट्य स्किट ने बाल अधिकार, भेदभाव, सुरक्षा और सामाजिक चुनौतियों जैसे विषयों पर गहरा संदेश दिया। चित्रकला एवं पोस्टर का विषय खुशहाल बचपन सुरक्षित बचपन रखा गया, जबकि लेखन प्रतियोगिता में यदि मैं पिता या माता होता/होती विषय पर छात्राओं ने अपनी सोच को प्रभावी शब्दों में प्रस्तुत किया। पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे और बालिकाओं को स्वतंत्रता, सुरक्षा, अनुशासन और जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रोत्साहित किया।

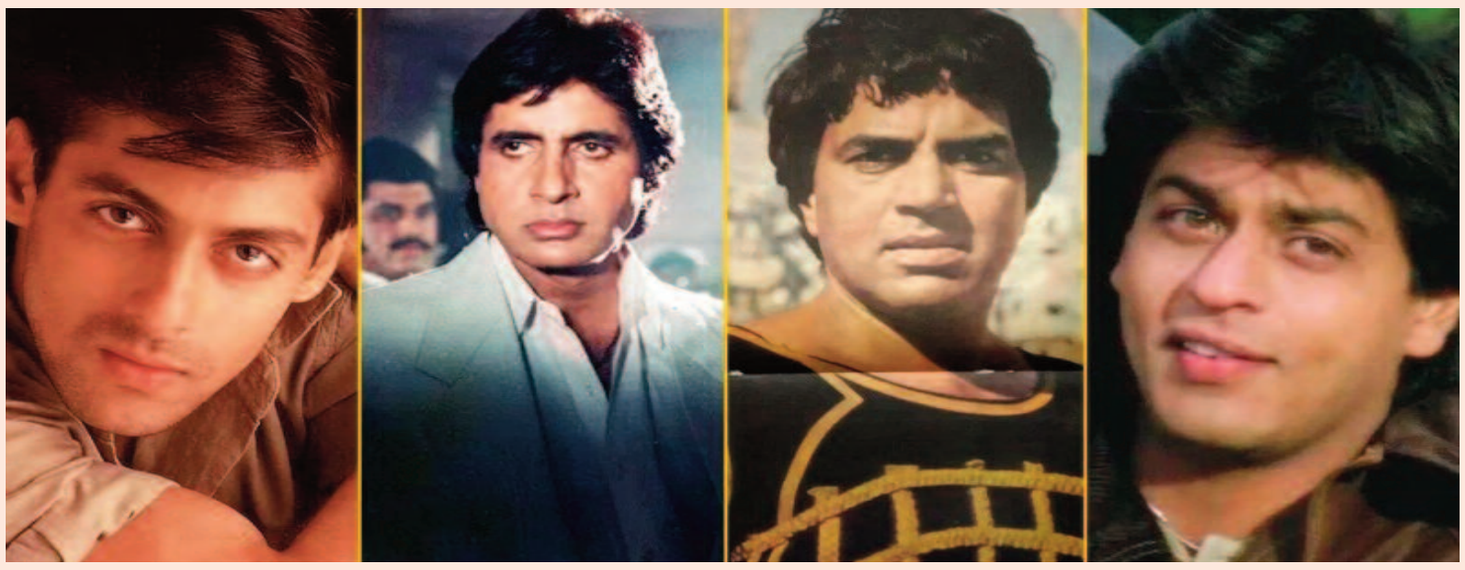

सबसे ज्यादा फ्लॉप फिल्में देने वाले टॉप 10 अभिनेता

धर्मेंद्र और अमिताभ का नंबर जान उड़ जाएंगे होश

उद्योग में सफलता और असफलता दोनों ही कलाकारों का हिस्सा होती हैं। एक हिट फिल्म जहां किसी अभिनेता के करियर को नई ऊंचाई दे सकती है, वहीं लगातार फ्लॉप फिल्में उनकी लोकप्रियता और करियर पर प्रभाव डालती हैं। भारतीय सिनेमा में कई ऐसे दिग्गज अभिनेता रहे हैं जिन्होंने अपने लंबे सफर में बड़ी संख्या में फ्लॉप फिल्में दी हैं। इस सूची में 70, 80 और 90 के दशक के सुपरस्टार्स के साथ-साथ आज के कई बड़े नाम भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा फ्लॉप फिल्मों का रिकॉर्ड मिथुन चक्रवर्ती के नाम दर्ज है। 75 वर्ष के मिथुन ने 350 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है, जिनमें 180 फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन किया। दूसरे स्थान पर जीतेंद्र हैं, जिन्होंने अपने करियर में 120 फ्लॉप फिल्में दी हैं।

टॉप-5 में धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन भी शामिल

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र इस सूची में 100 फ्लॉप फिल्मों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने अपने करियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम किया है और आज भी सक्रिय हैं। अमिताभ बच्चन, जिन्होंने 63 हिट फिल्में दी हैं, 68 फ्लॉप फिल्मों के साथ चौथे स्थान पर आते हैं। उनके ठीक ऊपर गोविंदा हैं, जिनके खाते में 75 फ्लॉप फिल्में दर्ज हैं।

अक्षय कुमार और संजय दत्त की स्थिति

एक साल में कई फिल्मों में दिखने वाले अक्षय कुमार और संजय दत्त भी इस सूची में शामिल हैं। अक्षय कुमार के खाते में 57 फ्लॉप फिल्में हैं, जबकि संजय दत्त ने 70 फिल्मों में असफलता का सामना किया है।

शाहरुख खान और सलमान खान की रैंकिंग

सलमान खान इस सूची में आठवें स्थान पर हैं, जिनकी कुल 29 फिल्में फ्लॉप रही हैं। हाल ही में रिलीज हुई आखिरी सिकंदर भी इसमें शामिल है। नौवें स्थान पर शाहरुख खान हैं, जिन्होंने अब तक 24 फ्लॉप फिल्में दी हैं। दसवें स्थान पर अजय देवगन हैं, जिनकी कुल 28 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल रहीं।यह सूची बताती है कि सफलता और असफलता फिल्मी दुनिया का हिस्सा हैं, और बड़े से बड़ा कलाकार भी फ्लॉप फिल्मों के दौर से गुजरा है।

सोनम कपूर ने दूसरी प्रेग्नेंसी कंफर्म की

बेबी बंप के साथ स्टाइलिश अंदाज में फोटो शेयर किया

सोनम कपूर दूसरी बार मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर इंस्टाग्राम पर अनाउंस की है। सोनम ने अपने इंस्टाग्राम पर बेबी बंप के साथ कई फोटोज शेयर कर कैप्शन में लिखा- 'मदर'।

इस खास मौके के लिए सोनम ने मशहूर डिजाइनर मागरिथा लेय का बनाया आउटफिट पहना है। एक्ट्रेस का हॉट-पिंक वूलन पैडेड सूट लुक प्रिंसेस डायना से इंस्पायर्ड है, जिसमें वो काफी स्टाइलिश भी लग रही हैं। अब उनके इस पोस्ट पर सेलेब्स और फैंस शुभकामनाएं दे रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा ने एक्ट्रेस को बधाई दी है। करीना कपूर खान ने सोनम और आनंद लिख दो दिल बनाए हैं।

वहीं सोनम के पति आनंद आहूजा ने पोस्ट पर मजेदार रिएक्शन दिया है। वो कॉमेंट में लिखते हैं- 'डबल,ट्रबल'। बता दें कि शादी के सात साल बाद सोनम और उनके बिजनेसमैन पति आनंद आहूजा अपना दूसरा बच्चा एक्सपेक्ट कर रहे हैं। शादी के चार साल बाद सोनम ने बेटे वायु को जन्म दिया था। सोनम पति आनंद और बेटे वायु के साथ अधिकांश समय लंदन में रहती हैं।

कपल ने अपने बेटे वायु को मीडिया और पैपराजी से दूर रखा है। समय-समय पर एक्ट्रेस अपनी मैटरनिटी जर्नी और बेटे वायु की फोटो शेयर करते रहती हैं। हालांकि, उन फोटोज में वायु का चेहरा रिवील नहीं होता है। सोनम और आनंद के रिश्ते की बात करें तो साल 2016 में पिता अनिल कपूर के 60वें जन्मदिन पर सोनम ने आनंद आहूजा के साथ अपने रिलेशनशिप को पब्लिकली एक्सेप्ट किया था।

लंबे समय की डेटिंग के बाद एक्ट्रेस ने साल 2018 में आनंद आहूजा से शादी की थी। शादी के बाद दोनों ने इंडस्ट्री के दोस्तों के लिए ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी दी थी।

एक्ट्रेस की वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म ब्लाइंड में देखा गया था।

अहान पांडे की एक्शन थ्रिलर में हुई नए एक्टर की एंट्री

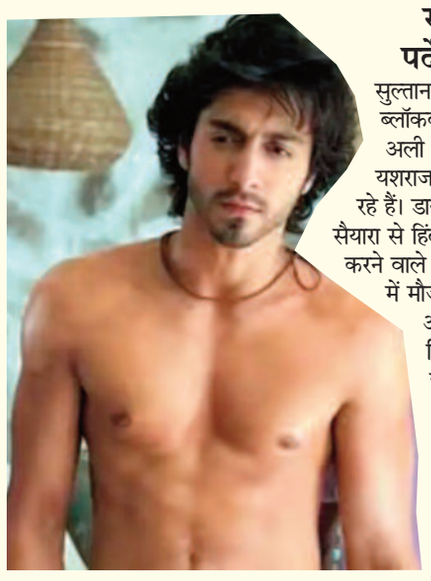

खलनायक बन पर्दे पर जमाएगा धाक

सुल्तान और टाइगर जिंदा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाने वाले निर्देशक अली अब्बास जफर एक बार फिर से यशराज फिल्म्स के साथ वापसी करने जा रहे हैं। डायरेक्टर की इस अनटाइटल मूवी में सैयारा से हिंदी सिनेमा में ऐतिहासिक डेब्यू करने वाले अभिनेता अहान पांडे लीड रोल में मौजूद हैं। अब खबर आ रही है कि अहान पांडे की इस अपकमिंग फिल्म में एक और एक्टर की एंट्री हो गई, जो इस एक्शन और रोमांटिक ड्रामा में नेगेटिव रोल प्ले करता दिखेगा। सैयारा के बाद अली अब्बास जफर की इस एक्शन और रोमांटिक थ्रिलर को लेकर अहान पांडे का नाम लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। हाल ही में ये खबर आई थी कि इस मूवी के अहान अपनी फिटनेस पर जमकर मेहनत कर रहे हैं और बॉक्सिंग-मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग भी ले रहे हैं।

बॉलीवुड में अपने डांस से बनाया दीवाना

अब हीरोइन ने हॉलीवुड में लगाया अदाओं का ऐसा तड़का कि वायरल हो गया वीडियो

नोरा फतेही ने द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी फॉलन में अपनी धमाकेदार शुरुआत के साथ दुनिया भर में सुर्खियां बटोरीं। बॉलीवुड में अपने डांस से दीवाना बनाने वाली नोरा अब हॉलीवुड सितारों के साथ भी अपना डांस दिखा रही हैं। नोरा ने जमैका की गायिका शेनसीया के साथ अपना नवीनतम एकल %व्हाट डू आई नो (जस्ट अ गर्ल) प्रस्तुत किया, जो उनके अंतर्राष्ट्रीय सफर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। साथ में उन्होंने तीखी कोरियोग्राफी, जीवंत संगीत और आत्मविश्वास से भरपूर मंचीय उपस्थिति से भरपूर एक ऊर्जावान प्रस्तुति दी।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

एपिसोड प्रीमियर होने के बाद,नोरा ने इंस्टाग्राम पर प्रदर्शन का वीडियो साझा किया। उनके कैप्शन में लिखा था, व्हाट डू आई नो? (जस्ट अ गर्ल) प्रस्तुत करती हैं! फालकन टूनाइट। उन्होंने अपनी प्रस्तुति की कई तस्वीरें भी अपलोड कीं, जिससे प्रशंसकों को उनके लुक और मंच के पीछे के माहौल की करीब से झलक मिली। प्रशंसकों ने प्यार और प्रशंसा से भरे कमेंट्स किए। एक ने लिखा, नोरा पर बहुत गर्व है! दुनिया भर के लोगों के लिए एक प्रेरणा,वह वाकई एक वैश्विक स्टार हैं जिन्हें लाखों लोग प्यार करते हैं। जबकि दूसरे ने लिखा,

हे भगवान,नोरा फॉलन के शो में हैं, बहुत ही शानदार! आप कमाल की हैं, लव यू गर्ल। एक और प्रशंसक ने आश्चर्य को बखूबी बयां किया, यह मेरे बिंगो कार्ड में कभी नहीं था! प्रतिक्रियाओं से पता चला कि प्रशंसक नोरा को एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मंच पर देखकर कितने गर्व और उत्साहित थे।

बॉलीवुड सितारों ने भी लुटाया प्यार

एपिसोड प्रसारित होने से पहले, द टुनाइट शो के आधिकारिक पेज पर नोरा के प्रदर्शन की तस्वीरें पोस्ट की गईं। प्रशंसकों ने उनके इस खास पल का जश्न मनाते हुए, दिल और आँखों वाले इमोजी और समर्थन भरे संदेशों से कमेंट्स भर दिए। वरुण धवन और प्रियंका चोपड़ा सहित कई हस्तियों ने भी अपना समर्थन व्यक्त किया। शो में कई बार आ चुकीं पीसी ने टिप्पणी की, चलो, बहुत खूबसूरत। नोरा फतेही और शेनसीया के ट्रैक व्हाट डू आई नो (जस्ट अ गर्ल) को इसकी जीवंत ध्वनि और जोशीली ऊर्जा के लिए पहले ही प्रशंसा मिल चुकी है। रिलीज के समय, नोरा ने कहा कि वह इस गाने को दुनिया के साथ साझा करके रोमांचित हैं और उन्होंने खुलासा किया कि यह उनके पॉप गर्ल युग की शुरुआत का प्रतीक है। बता दें कि नोरा बॉलीवुड में अपने कमाल के डांस से लाखों दिलों पर राज करती हैं और अब हॉलीवुड में भी अपनी जमीन तलाशने लगी हैं।

खेल-समाचार

प्रणवी ने पुरुषों को हराकर खिताब जीतकर इतिहास रचा

मुंबई,20 नवम्बर 2025। प्रणवी उर्स ने ओवरनाइट लीडर करणदीप कोचर को हराया, जब सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी तब शानदार परफ़ॉर्मेंस दी...और मुंबई इनविटेशन जीतकर इतिहास रच दिया। वह इंडियन गोल्फ़ प्रीमियर लीग टूर पर पुरुषों के साथ खेलते हुए प्रोफ़ेशनल गोल्फ़ टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फ़र बन गईं। प्रणवी ने IGPL इनविटेशनल मुंबई के आख़िरी दिन पार-68 बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ़ क्लब में शानदार 8-अंडर 60 का कार्ड खेला, जो इस हफ़्ते का सबसे अच्छा कार्ड था।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स:मीनाक्षी, प्रीति,अरुंधति,नूपुर ने गोल्ड जीता

ग्रेटर नोएडा,20 नवम्बर 2025। मीनाक्षी (48 किग्रा) प्रीति (54किग्रा), अरुंधति चौधरी (70प्लस),और नूपुर (80+किग्रा) ने गोल्ड मेडल जीते, जिससे भारत की महिला बॉक्सर्स ने शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खचाखच भरे स्टेडियम के सामने वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025 में देश के लिए एक अहम दिन पर शानदार प्रदर्शन किया। उनकी जीत कई खास डिवीज़न में हुई, जो 2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल होंगे जहाँ बॉक्सिंग पूरी तरह से जेंडर बराबरी की ओर बढ़ रही है जो लॉस एंजिल्स की राह पर भारत की बढ़ती कॉम्पिटिटिव ताकत को दिखाता है। उनके शानदार प्रदर्शन ने मेज़बान देश के लिए एक शानदार कैंपेन को खत्म किया, जिसमें जदुमणि सिंह, पवन बर्तवाल, अभिनाश जामवाल और अंकुश फंगल ने भी सिल्वर मेडल जीते, जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों की ओलंपिक-क्लास वेट कैटेगरी में भारत का बढ़ता रुतबा दिखा। सेशन 7 में सात और भारतीय गोल्ड के लिए लड़ेंगे,जिनमें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन लैम्बोइरा, दो बार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन निकहत ज़रीन और दो बार के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया शामिल हैं। मीनाक्षी ने मौजूदा एशियन चैंपियन फरज़ोना फोज़िलोवा पर लगभग बिना किसी गलती के 5:0 से जीत हासिल करके दिन का माहौल बनाया, और शुरुआती घंटी से ही अपना ट्रेडमार्क अग्रेसन दिखाया। वर्ल्ड चैंपियन ने स्पीड के साथ ज़बरदस्त एक्यूरेसी का मेल किया, राउंड 1 में ज़बरदस्त लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन से बाउट शुरू किया और ज़ोरदार जैब, क्लीन काउंटर और एयरटाइट डिफेंस के ज़रिए पूरा कंट्रोल बनाए रखा।

क्या ऑस्ट्रेलिया में 15 साल बाद एशेज जीत पाएगा इंग्लैंड

आज पर्थ स्टेडियम में पहला मैच; इंग्लिश टीम यहां पहली बार टेस्ट खेल रही

पर्थ,20 नवम्बर 2025। क्रिकेट की सबसे पुरानी सीरीज द एशेज कल से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला पर्थ स्टेडियम में भारतीय समयानुसार सुबह 7.50 बजे से खेला जाएगा। इंग्लैंड ने 15 साल से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। टीम ने आखिरी बार 2010-11 के दौरे पर कंगारुओं को उसी के घर में 3-1 से हराया था। लेकिन, यह चुनौती आसान नहीं है। इंग्लिश टीम पहली बार पर्थ स्टेडियम में कोई टेस्ट खेलने जा रही है। इतना ही नहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले 10 साल से इस सीरीज को हारी भी नहीं है। टीम को आखिरी हार 2015 में इंग्लैंड दौरे पर मिली थी। तब इंग्लिश टीम ने 3-2 से सीरीज अपने नाम की थी।

इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट से कोई जीत नहीं मिली। इस दौरान टीम ने 13 मुकाबले गंवाए और 2 ड्रॉ खेले। इंग्लिश टीम को आखिरी जीत 2011 में ही मिली थी।

1882 में शुरू हुई थी द एशेज

दुनिया की सबसे पुरानी सीरीज द एशेज की शुरुआत 1882 में हुई थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड 1877 से टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। दुनिया का पहला टेस्ट मैच भी इन्हीं देशों के बीच खेला गया था। यह मुकाबला 15 से 19 मार्च 1877 को मेलबर्न में खेला गया। 5 साल बाद इसका नाम द एशेज रखा गया।

हेड टु हेड कंगारुओं ने 34, इंग्लैंड ने 32 सीरीज जीतीं

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच हुई एशेज में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी है। अब तक दोनों देशों के बीच 73 सीरीज खेली गई। ऑस्ट्रेलिया ने 34 सीरीज जीतीं। वहीं, इंग्लैंड ने 32 सीरीज अपने नाम कीं। बाकी 7 सीरीज ड्रॉ रहीं।

ऑस्ट्रेलिया: स्टीव स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रैविस हेड,कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, ब्रेंडन डॉगेट और स्कॉट बोलैंड।

इंग्लैंड: बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन/ब्रायडन कार्स, शोएब बशीर, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जैमी स्मिथ और मार्क वुड।

टीम का हो गया ऐलान,करुण नायर की एंट्री

देवदत्त पडिक्कल को मिल पाएगा मौका!

नई दिल्ली,20 नवम्बर 2025। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज इस वक्त खेली जा रही है। पहला मुकाबला भारतीय टीम हार चुकी है और अब दूसरे मैच की बारी है। दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाना है। इसकी प्लेइंग इलेवन क्या होगी,इसको लेकर अभी सस्पेंस है। इसी बीच सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए एक टीम का ऐलान कर दिया गया है। कर्नाटक की टीम में करुण नायर और देवदत्त पडिक्कल को रखा गया है। लेकिन सवाल है कि क्या देवदत्त पडिक्कल को इस टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिलेगा।

सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट के लिए कर्नाटक की टीम का ऐलान

जल्द ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का आयोजन होने जा रहा है। पहला मुकाबला 26 नवंबर को होगा। इसके लिए कर्नाटक ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। इसमें जो नाम चर्चा में हैं, वे देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर के हैं। टीम की कमान मयंक अग्रवाल के हाथ में रहेगी। देवदत्त पडिक्कल इस वक्त टीम इंडिया के साथ हैं, जो अभी गुवाहाटी में दूसरा टेस्ट मैच खेलने की तैयारी में है। दूसरा टेस्ट मैच 22 नवंबर से शुरू होगा। यानी अगर देवदत्त इस मैच में खेलते हुए नजर आए और उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिली तो वे कर्नाटक के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के कुछ मैच मिस कर सकते हैं।

करुण नायर के पास भी अपनी छाप छोड़ने का होगा मौका

इसके अलावा मैच के दौरान सभी की नजर करुण नायर पर भी होगी। जिनकी करीब 9 साल बाद टीम इंडिया में वापसी हुई थी। इंग्लैंड सीरीज के दौरान उन्हें चार मुकाबले खेलने का मौका मिला, लेकिन वे इस चार मैचों की आठ पारियों में केवल एक ही अर्धशतक लगा पाए। इसके बाद उन्हें फिर टीम से बाहर कर दिया गया। हालांकि अभी करुण नायर ने उम्मीद नहीं हारी है और वे बेहतर प्रदर्शन कर वापसी करने की जरूर सोच रहे होंगे। हालांकि खास बात ये है कि सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट का आयोजन टी20 फॉर्मेट पर होता है। इसलिए आईपीएल टीमों की नजर इस पर जरूर रहती है। ताकि यहां अच्छा खेलने वाले खिलाड़ियों को वे नीलामी के दौरान अपने पाले में कर सकें।

मयंक अग्रवाल हो चुके हैं आईपीएल से रिलीज, करेंगे टीम की कप्तानी

कर्नाटक की कप्तानी जैसा ही हमने आपको पहले ही बताया कि मयंक अग्रवाल कर रहे हैं,जो पिछले सीजन आईपीएल में आरसीबी का हिस्सा हुआ करते थे। हालांकि नीलामी के वक्त तो मयंक अग्रवाल अनसोल्ड गए थे, लेकिन बाद में वे रिप्लसमेंट के तौर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम में शामिल हो गए थे। उन्हें कुछ एक मौके भी मिले, लेकिन वे अपनी छाप नहीं छोड़ पाए। इसके बाद भी वे आईपीएल चैंपियन जरूर बन गए थे। अब हाल ही में आरसीबी ने उन्हें रिलीज कर दिया है। ऐसे में मयंक अग्रवाल के पास मौका होगा कि वे बेहतर प्रदर्शन कर नीलामी में आए, ताकि उन्हें अच्छी कीमत पर कोई टीम खरीदने के लिए आगे आए। खास बात ये भी है कि मयंक अग्रवाल ओपनर हैं और इस दफा कई टीमों को सलामी बल्लेबाज की तलाश रहेगी।

कर्नाटक की टीम:- मयंक अग्रवाल (कप्तान), मैकनील नोरोन्हा, केएल श्रीजीत, करुण नायर, आर स्मरण, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल, शिखर शेट्टी, वैसाख विजयकुमार, विद्वथ कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, श्रीवत्स आचार्य, शुभांग हेगड़े, प्रवीण दुबे, बीआर शरथ और देवदत्त पडिक्कल।

शुभमन होंगे बाहर,तो साई सुदर्शन की एंट्री संभव

नई दिल्ली,20 नवम्बर 2025। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न की वजह से रिटायर्ड हर्ट होकर अस्पताल में भर्ती हो गए थे। इसके बाद वह दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी करने के लिए नहीं आए। अब इस बात की संभावना है कि उनकी गर्दन की समस्या और ना बढ़ जाए। इसी वजह से दूसरे टेस्ट से उन्हें रेस्ट दिया जा सकता है। अब सबसे बड़ा सवाल यही कि अगर कप्तान गिल बाहर होते हैं, तो उनकी जगह प्लेइंग इलेवन में कौन खेलेगा? टीम मैनेजमेंट गिल की जगह साई सुदर्शन को मौका दे सकता है। भले ही अभी तक वह इंटरनेशनल स्तर पर अपनी छाप नहीं छोड़ पाए हों, लेकिन आईपीएल में उन्होंने खूब रन बनाए थे।

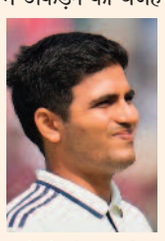

राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ में 'जनजातीय गौरव दिवस' समारोह में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई...

आदिवासी संस्कृति को जीवित रखना बहुत जरूरी : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

अंबिकापुर,20 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला के अंबिकापुर पीजी कॉलेज ग्राउंड में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल हुईं। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी संस्कृति को जीवित रखना बहुत जरूरी है।

छत्तीसगढ़ के जनजाति समाज के लोग अपनी संस्कृति और परंपरा को बनाए रखे हुए हैं, इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं। मैं भी जनजाति समाज की बेटी हूं और जनजाति परिवार में जन्म लेने पर मुझे बहुत गर्व है। जनजाति समाज की परंपरा को मैं पहले भी जीती थी और अब भी जीती हूं। शिक्षा, स्वास्थ्य,जल,जंगल और जमीन के साथ आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही बोलीं, केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन सुनिश्चित होगा राष्ट्रपति ने कहा कि जनजाति समाज का इस देश में बहुत बड़ा योगदान है। आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को आगे बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि यह बेहद खूबसूरत और सुंदर है। ऐसे कार्यक्रमों में मैं जब जाती हूं तो जनजाति परिवार के लोगों से मुलाकात करती हूं। जनजाति महिलाओं से मुलाकात करने पर मुझे गर्व महसूस होता है। स्थानीय स्तर पर भी जनजाति समाज की संस्कृति और उनके विकास को प्राथमिकता से ध्यान देने की जरूरत है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आगे कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य 25 साल का हो गया है। छत्तीसगढ़ के रहने वाले सभी लोगों को मैं बधाई देती हूं। भगवान बिरसा मुंडा के इस कार्यक्रम में शामिल होने और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अंबिकापुर में व्यापक स्तर पर 15 नवंबर से लेकर 20 नवंबर तक जनजाति गौरव दिवस मनाया गया है

जनजातीय पहवान सांस्कृतिक विरासत और वीर पूर्वजों को याद करने का दिन : राज्यपाल डेका

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका ने जनजातीय गौरव दिवस के इस समारोह में कहा कि यह दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि अपनी पहचान,सांस्कृतिक विरासत और उन वीर पूर्वजों को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने जनजातीय इतिहास को गौरवशाली अध्यायों से भर दिया। राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति के बीच उपस्थित होना उनके लिए अत्यंत हर्ष और सम्मान का विषय है। समारोह में उपस्थित देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का सम्मान करते हुए राज्यपाल ने कहा कि एक साधारण परिवार से निकलकर राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँचने की उनकी प्रेरक यात्रा पूरे भारत के लिए उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं जनजातीय समाज की गोद में पले-बढ़े हैं, और उनकी जीवन-यात्रा बताती है कि अपनी जड़ों से जुड़े रहकर भी दुनिया में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की जा सकती है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने उनके व्यक्तित्व और संघर्ष के कई प्रेरक प्रसंगों को याद किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने नशाखोरी, अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ साहसिक अभियान चलाया। उनके नेतृत्व में हुआ 'उलगुलान'- जिसका अर्थ है 'महान उथल-पुथल, ब्रिटिश शासन को चुनौती देने वाला ऐतिहासिक आंदोलन था, जिसने जनजातीय स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी।

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय वीर गाथाओं का भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह, राजा गेंद सिंह, कंगला मांझी, वीर सीताराम कंवर और गुंडा धुर जैसे महानायकों ने अपने बलिदान और संघर्ष से स्वतंत्रता आंदोलन और जनजातीय गौरव को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। उनका योगदान प्रदेश की स्मृतियों में सदा अमर रहेगा।

राष्ट्रपति ने की मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की तारीफ

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाने,जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय बनाने और शासकीय योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंच से तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है, और इसकी झलक बस्तर की 'मुरिया दरबार' जैसी जनजातीय परंपराओं में भी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा की जनजातीय विरासत अत्यंत समृद्ध और आपस में जुड़ी हुई है। राष्ट्रपति ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति भवन में 'जनजातीय दर्पण' संग्रहालय की स्थापना की गई है,तथा वहां आदिवासी कला और संस्कृति को विशेष स्थान दिया गया है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'आदि कर्मयोगी अभियान', 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' तथा 'प्रधानमंत्री जनमन अभियान' को जनजातीय समाज के उत्थान हेतु महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएँ देश के करोड़ों आदिवासी परिवारों को शिक्षा,आजीविका,स्वास्थ्य और विकास के नए अवसर प्रदान कर रही हैं। राष्ट्रपति ने बताया कि दिल्ली में आयोजित 'आदि कर्मयोगी' राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के आदिवासी विकास विभाग को उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

ममतामयी राष्ट्रपति की छत्तीसगढ़ पर विशेष कृपा:मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि राष्ट्रपति महोदया ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद इस समारोह में शामिल होकर प्रदेश की गरिमा बढ़ाई है। कुछ दिन पूर्व नक्सल पीड़ित परिवारों से राष्ट्रपति महोदया की भेंट का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रत्येक पीड़ित से आत्मीयता से हाल-चाल जानकर अपनी ममतामयी छवि प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति की छत्तीसगढ़ पर विशेष कृपा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का इतिहास अत्यंत समृद्ध है और यहाँ के आदिवासी समाज ने देश की स्वतंत्रता में अमूल्य योगदान दिया है। हाल ही में 1 नवम्बर को आयोजित रजत महोत्सव में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी उपस्थित रहे और उन्होंने आजादी की लड़ाई से जुड़े आदिवासी महापुरुषों पर आधारित म्यूज़ियम का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि जनजातीय विद्रोह के नायकों की स्मृति को सहेजने हेतु शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह-संग्रहालय का निर्माण किया गया है, जिसे राज्य स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा जनता को समर्पित किया गया। यह देश का पहला जनजातीय संग्रहालय है, जिसमें डिजिटल माध्यम से जनजातीय गौरवगाथा को देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदया के करकमलों से आज जनजातीय विद्रोह के नायकों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारजनों का सम्मान होना सभी के लिए गौरव का विषय है। साथ ही जनजाति एवं उप-जनजाति प्रमुखों को भी सम्मानित किया गया, जो अपने ज्ञान और अनुभव से समाज को निरंतर जागरूक कर रहे हैं।

पण्डो जनजाति के बसन्त पण्डो से मिलकर जाना कुशलक्षेम,शॉल भेंट कर किया सम्मान

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु कार्यक्रम के दौरान पण्डो जनजाति के बसन्त पण्डो से मिलीं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने उनका कुशल क्षेम जाना और उन्हें शॉल भेंट की। बसन्त पण्डो ने राष्ट्रपति को बताया कि भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ.राजेंद्र प्रसाद जब वर्ष 1952 में अंबिकापुर आए थे, तब वे 08 वर्ष के थे। राष्ट्रपति ने बसन्त पण्डो को गोद लिया और उनका नामकरण किया था। बसंत पण्डो को गोद लेने के बाद, पण्डो जनजाति को 'राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र' कहलाने का दर्जा प्राप्त हुआ। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने बसन्त पण्डो को कहा कि आप मेरे भी पुत्र की तरह हैं।

स्वाभिमान,सम्मान,गौरव और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे भगवान बिरसा मुंडा : मंत्री दुर्गा दास उईके

केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके ने सभी को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई दी । उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल झारखंड या जनजाति समाज के नायक ही नहीं थे बल्कि पूरे भारतवर्ष के लिए स्वाभिमान,सम्मान,गौरव,गरिमा और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे। भगवान बिरसा मुंडा जी ने अपने जीवन का हर क्षण जनहित और स्वतंत्रता के संघर्ष के लिए समर्पित किया। उन्होंने अपने समाज को संगठित किया, उन्हें आत्मसम्मान और स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल एक योद्धा नहीं बल्कि एक सामाजिक सुधारक एवं आध्यात्मिक गुरु भी थे। उन्होंने समाज को नशा,अंधविश्वास और आपसी भेदभाव से मुक्त करने का आह्वान किया था। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन यह सिखाता है कि कोई भी व्यक्ति चाहे उसका जन्म किसी भी समाज में हुआ हो अगर उसके भीतर सच्ची लगन और आत्मबोध है तो वह इतिहास बदल सकता है।

जनजातीय समाज के गौरवपूर्ण इतिहास को स्मरण करना, उसे सुरक्षित रखना और भविष्य की दिशा को प्रेरित करना मुख्य उद्देश्य : मंत्री राम विचार नेताम

आदिम जाति विकास विभाग मंत्री राम विचार नेताम ने अपने स्वागत उद्बोधन कहा कि आज सरगुजा क्षेत्र और देश का समस्त जनजातीय समाज स्वयं को विशेष रूप से गौरवान्वित महसूस कर रहा है कि राष्ट्रपति महोदया ने अपने आगमन से जनजातीय समाज तथा प्रदेशवासियों के सम्मान में वृद्धि की है। उन्होंने स्मरण कराया कि 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर पूरे देश और प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। उसी परिप्रेक्ष्य में आज का यह भव्य आयोजन संपन्न हो रहा है, जिसकी गरिमा राष्ट्रपति महोदया की उपस्थिति से कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों और प्रेरणा से भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती से जनजातीय गौरव दिवस की परंपरा प्रारंभ हुई।

प्रेमिका संग संबंध बनाने के दौरान युवक की मौत,पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतजार

जांजगीर,20 नवम्बर 2025। कालिका होटल में रुके एक युवक-युवती में से युवक की मौत हो गई। जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है लेकिन शॉर्ट पीएम रिपोर्ट से मौत की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच के लिए बिसरा प्रिजर्व किया गया है और अब इसे रायपुर की लैब भेजा जाएगा। बिसरा रिपोर्ट मिलने के बाद ही युवक की मौत की असली वजह का पता चल सकेगा। मृतक युवक का नाम कृशचंद देवांगन है जो जावलपुर गांव का रहने वाला था। युवती बिर्रा की रहने वाली है। पुलिस के अनुसार युवक और युवती की दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी और इससे पहले दोनों की 2-3 मुलाकात हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक 15 नवंबर को युवक और युवती जांजगीर के कालिका होटल में रुके थे। रात में युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के पेट में कुछ टेबलेट भी मिली हैं। मामले में पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट से मौत की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है इसलिए डॉक्टर ने जांच के लिए बिसरा प्रिजर्व किया है। अब बिसरा रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी।

रायगढ़ में पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी पति गिरफ्तार,तोलगे के जंगल में छिपा हुआ था...

रायगढ़,20 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक पति ने टांगी के बेट से अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने उसे तोलगे के जंगल से गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम तोलगे में रहने वाले अमासो अगरिया (30) की उसके पति आलाप अगरिया (32) ने पारिवारिक विवाद के दौरान टांगी के बेट से मारकर हत्या कर दी है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस को पता चला कि हत्या के बाद आरोपी जंगल में छिपा हुआ है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने मुखबिर भी लगाए थे। गुरुवार को मुखबिर से खबर मिली कि आरोपी तोलगे के जंगल में देखा गया है।

गृहग्राम पूवर्ती में हुआ हिड़मा का अंतिम संस्कार,सोनी सोढ़ी ने लगाए आरोप

सुकमा, 20 नवम्बर 2025। बीते दिनों आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में मुठभेड़ में मारे गए नक्सल कमांडर माड़वी हिड़मा और उनकी पत्नी मड़कम राजे का गुरूवार को उनके गृहग्राम पूवर्ती में अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हिड़मा के बारे में बताया जाता है कि वह नक्सलियों की शीर्ष कमेटी के अकेले आदिवासी सदस्य था, जो छत्तीसगढ़ के सुकमा का रहने वाला था। दो दिन पहले हिड़मा और उनकी पत्नी समेत 7 नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मारे गए थे। हिड़मा पर एक करोड़ से ऊपर का ईनाम था। अंतिम संस्कार के दौरान आदिवासी रीति-रिवाजों का पूरी तरह पालन किया गया और आसपास के इलाकों से भारी संख्या में ग्रामीण दोनों को अंतिम विदाई देने पहुंचे।

हिडमा के शव को काली पैंट-शर्ट और राजे के शव को लाल जोड़े से सजाया गया। सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों की संयुक्त अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और कई ग्रामीण भावुक होकर रोते दिखाई दिए। हिड़मा की मां और उनके परिजनों का रोते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

हिड़मा की मौत पर सोनी सोढ़ी ने क्या कहा : अंतिम यात्रा के बाद गांव के जंगल में दोनों को एक ही चिता पर मुखाग्नि दी गई। इस दौरान आदिवासी नेता और सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोढ़ी भी हिडमा के घर पहुंचीं। अंतिम दर्शन के समय वह हिडमा के शव से लिपटकर रोती-बिलखती नज़र आईं,जिससे माहौल बेहद भावुक हो गया। आदिवासी कार्यकर्ता सोनी सोढ़ी ने एक वीडियो में कहा कि इतिहास हिड़मा को एक बागी के तौर पर नहीं, बल्कि एक ऐसी आवाज के तौर पर याद करेगा जिसने सरकार की ज्यादतियों को चुनौती दी थी। उन्होंने मुठभेड़ के फर्जी होने का आरोप लगाया, और कहा कि उनकी हत्या को बस्तर में राज्य के एक बड़े उदाहरण के रूप में देखा जाना चाहिए। माड़वी हिडमा का जन्म दक्षिण सुकमा के पूवर्ती गांव के एक आदिवासी परिवार में हुआ था। वह मात्र 16 साल की उम्र में नक्सली संगठन से जुड़ गया था। नक्सल संगठन की एजुकेशन सिस्टम और कल्चरल कमेटी के माध्यम से उसने पढ़ना-लिखना, गाना-बजाना और अन्य कौशल सीखे। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उसकी पहली पोस्टिंग महाराष्ट्र के गढ़चिरौली इलाके में की गई,जहां से उसकी नक्सल गतिविधियों की शुरुआत हुई। हिडमा नक्सल संगठन में तेजी से उभरा और सीपीआई (माओवादी) की 21 सदस्यीय सेंट्रल कमेटी में सबसे युवा सदस्य बना। वह पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का चीफ और माओवादी स्पेशल जोनल कमेटी का भी सदस्य था। संगठन में बढ़ते प्रभाव के कारण वह नक्सलियों के सबसे खतरनाक और रणनीतिक कमांडरों की सूची में शामिल हो गया।

सरकार ने अब तक 450 करोड़ रुपए का धान खरीदा

14 लाख क्विंटल से ज्यादा धान की खरीदी

रायपुर,20 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का अभियान अब रफ्तार पकड़ चुका है। सरकार धान खरीदी केंद्रों के माध्यम से किसानों का अब तक 450 करोड़ 87 लाख 98 हजार 100 रुपए का धान खरीद चुकी है। किसानों का धान खरीदने के साथ-साथ भुगतान की प्रक्रिया जारी है। मार्कफेड द्वारा 214.18 करोड़ रुपए अपेक्स बैंक को जारी किया जा चुका हैं। बता दें है कि राज्य सरकार किसानों से धान खरीदी के लिए मार्कफेड को पहले ही 26,200 करोड़ रुपए की बैंक गारंटी उपलब्ध करा चुकी है, ताकि किसानों को भुगतान में कोई देरी न हो। धान खरीदी केंद्रों में व्यवस्थाओं पर कड़ी निगरानी रखी

जा रही है। सभी उपार्जन केंद्रों में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जबकि राज्य और जिला स्तर के सीनियर अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।

हड़ताल के बावजूद केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि किसान बिना रुकावट धान बेच सकें। बाहरी धान की एंट्री रोकने और अवैध परिवहन की निगरानी के लिए चेकपोस्ट पर अधिकारियों को तैनात किया गया है।

मां-बाप बने जल्लाद...ढाई साल के मासूम को पीट-पीटकर मार डाला,15 दिनों तक नाक-सीने में मुक्के से मारा

रायपुर, 20 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक बेहद दर्दनाक और हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। कबीर नगर थाना क्षेत्र में ढाई साल के एक मासूम बच्चे की बेरहमी से हत्या कर दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि इस अमानवीय कृत्य में बच्चे की सगी मां भी बराबर की दोषी पाई गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक बच्चे का नाम प्रशांत सेन (उम्र 2 साल 7 माह) था। उसकी मां रेशमी ताम्रकार (24) पिछले दो वर्षों से अपने प्रेमी आकिब खान उर्फ आकिब प्रशांत के साथ रह रही थी। दोनों ने प्रेम संबंध के बाद शादी कर ली थी और रायपुर के हीरापुर स्थित सतनामी पारा में किराए के घर में रहते थे। रेशमी के पहले पति से तीन बच्चे थे, जिनमें से दो को उसने मायके भेज दिया था। वही सबसे छोटा प्रशांत उसके साथ ही रहता था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सौतेला पिता आकिब बच्चे के साथ लंबे समय से बेहद अमानवीय व्यवहार कर रहा था। लगभग 15 दिनों तक वह बच्चे को नाक और सीने पर लगातार मुक्के

मारता रहा,जिससे उसकी हालत बिगड़ती चली गई। 18 नवंबर की रात बच्चे की स्थिति गंभीर होने पर उसे एम्स अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्चे की मौत को 'अननेचुरल डेथ' बताया गया, जिसके बाद पुलिस ने परिजनों से सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में यह भयावह सच सामने आया कि बच्चा किसी दुर्घटना में नहीं, बल्कि सौतेले पिता की निर्मम पिटाई से मरा है और सगी मां ने भी यह सब होने दिया। कबीर नगर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी आकिब खान पिता वकील कुरैशी निवासी अक्सा मस्जिद मोहन नगर दुर्ग और रेशमी ताम्रकार को हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के खिलाफ धारा 103(1), 238, 3(5) बीएनएस के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है। ढाई साल के मासूम की ऐसे क्रूर और दर्दनाक तरीके से मौत ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैला दिया है। सवाल यह भी है कि एक मां कैसे अपने ही बच्चे पर हो रहे अत्याचारों को नजरअंदाज कर सकती है। फिलहाल पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है। वहीं सिटी एएसपी लखन पटले ने बताया कि बच्चे की हत्या के मामले में दुर्ग के मोहन नगर निवासी (अक्सा मस्जिद) आकिब खान पिता वकील कुरैशी और आकिब की पत्नी रेशमी ताम्रकार को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)